हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 137, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 1 नवम्बर, 2021 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

सरदार पटेल हमेशा मजबूत, समावेशी, संवेदनशील भारत चाहते थे, एकजुट होने पर लक्ष्य होगा पूरा : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा- सरदार पटेल ना केवल इतिहास बल्कि सभी भारतीयों के दिलों में बसते हैं

गांधीनगर। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित की है। इसके साथ ही इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सरदार पटेल को याद किया। पीएम ने कहा कि सरदार पटेल ना केवल इतिहास बल्कि सभी भारतीयों के दिलों में बसते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरदार पटेल हमेशा मजबूत, समावेशी, संवेदनशील भारत चाहते थे, एकजुट होने पर लक्ष्य पूरा होगा। बता दें कि आज सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टैचू ऑफ यूनिटी पर आयोजित एकता परेड को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित की है। आज गृह मंत्री इस मौके पर केवड़िया में सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित 182 मीटर ऊंची प्रतिमा के पास राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल हुए हैं। शाह कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। इस खास मौके पर परेड भी आयोजित हुई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल हमारे देश को एक शरीर के रूप में रूप में देखते थे। इसलिए उनके 'एक भारत' का मतलब यह भी था कि जिसमें सभी को समान अवसर और समान सपने देखने का अधिकार हो। आगे पीएम ने कहा कि दशकों पहले, उस दौर में भी, उनके आंदोलनों की ताकत यह थी कि वे पुरुषों और महिलाओं, हर वर्ग, को शामिल करते थे। आज जब हम 'एक भारत' की बात करते हैं तो उसका स्वरूप क्या होना चाहिए? भारत में महिलाओं के पास एक से अधिक अवसर हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने अपना हित सुरक्षित करने के लिए 'आत्मनिर्भर' के एक नए मिशन पर

यात्रा शुरू की है। इसके साथ ही हमें सरदार पटेल की यह कहावत याद रखनी होगी कि सामान्य प्रयास से, हम देश को आगे तक ले जा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जल, थल, आकाश और अंतरिक्ष सहित हर मोर्चे पर भारत की ताकत और संकल्प अभूतपूर्व है। इसके बाद देश के दूर-दराज के इलाकों तक पहुंचने से लोगों के दिलों की दूरी कम हो जाएगी और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि आज सरदार पटेल की प्रेरणा से भारत बाहरी और आंतरिक सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटने में सक्षम होता जा रहा है। पिछले 7 सालों में देश को दशकों पुराने अवांछित कानूनों से छुटकारा मिला। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक रिकॉर्डेड वीडियो संदेश के माध्यम से समारोह को संबोधित किया।

बता दें कि सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर पीएम मोदी ने लगातार तीनों कार्यक्रमों में भाग लिया था। लेकिन इस साल इटली में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के चलते हिस्सा नहीं ले पाए हैं। अपने संबोधन में पीएम ने आगे कहा कि सरदार पटेल हमेशा मजबूत, समावेशी, संवेदनशील भारत चाहते थे। हमारा लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब हम एकजुट रहें। पीएम ने कहा कि बीते वर्षों में जो अनेक रिफॉर्म किए गए हैं उनका सामूहिक परिणाम है कि भारत निवेश का एक आकर्षक डेस्टिनेशन बन गया है। आगे कहा कि आजाद भारत के निर्माण में सबका प्रयास जितना तब प्रासंगिक था, उससे कहीं अधिक आजादी के इस अमृतकाल में होने वाला है। आजादी का ये अमृतकाल, विकास की अभूतपूर्व गति का है, कठिन लक्ष्यों को हासिल करने का है। ये अमृतकाल सरदार साहब के सपनों के भारत के नवनिर्माण का है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 7 वर्षों में देश ने दशकों पुराने अवांछित कानूनों से मुक्ति पाई है। राष्ट्रीय एकता को संजोने वाले आदर्शों को नई ऊंचाई दी है। जम्मू-कश्मीर हो, पूर्वोत्तर हो या हिमालय का कोई गांव आज सभी प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं।

सरदार पटेल को देश आज कर रहा याद, राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने किया नमन

नई दिल्ली। भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की आज जयंती है। इस दिन को प्रत्येक वर्ष इस दिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस साल सरदार वल्लभ भाई पटेल की 145वीं जयंती मनाई जा रही है। दरअसल, सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 560 रियासतों को भारत संघ में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राष्ट्र को एकजुट करने के लिए सरदार पटेल के किए प्रयासों को स्वीकार करने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इस खास अवसर पर देशवासी उन्हें नमन कर रहे हैं। उधर, गृह मंत्री अमित शाह गुजरात के केवड़िया में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। वहीं केंदीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा,' दृढ़ संकल्प और मजबूत इच्छाशक्ति के प्रतीक तथा आधुनिक भारत के शिल्पकार भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जयंती दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं। दृढ़ संकल्प और मजबूत इच्छाशक्ति के प्रतीक तथा आधुनिक भारत के शिल्पकार भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जयंती दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

देवभूमि में दर्दनाक हादसा: खाई में गिरी बोलेरो, 13 लोगों की मौत, पहाड़ी पर चारों ओर बिखरे दिखे शव

विकासनगर। उत्तराखंड में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। देहरादून के पास चकराता में एक बोलेरो 400 मीटर गहरी खाई में गिर गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग काल के मुंह में समा गए। इस दर्दनाक हादसे में 13 लोगों की मौत हुई और दो लोग घायल हैं। बताया गया कि बायला-पिंगुवा मार्ग पर गांव से करीब 200 मीटर आगे चलकर गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क के पैराफिट को तोड़कर खाई में गिर गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत खाई में उतर कर राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया।

सूचना पर एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य में लग गईं। हादसे का मंजर देख वहां मौजूद लोगों की आंखें भर आईं। पहाड़ी पर चारों ओर शव बिखरे पड़े थे। जो लोग घायल थे वह कराह रहे थे। घायलों और शवों की हालत देख राहत-बचाव में लगे लोग भी सन्न रह गए।

चकराता क्षेत्र देहरादून जिले में पड़ता है और यह हादसा चकराता के सुदूरवर्ती इलाके त्यूनी रोड पर सुबह करीब दस बजे हुआ है। जिसमें बायला गांव से विकासनगर जा रही गाड़ी बायला-पिंगुवा मार्ग पर गहरी खाई में गिर गई। घटना की सूचना से बायला,

बुल्हाड़, आसोई, बेगी व आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने खाई से शवों को किसी तरह बाहर निकालना शुरू किया। वाहन में 15 लोग सवार थे। वहीं 13 मृतकों के शव खाई से बरामद कर लिए गए हैं। स्थानीय लोगों और पुलिस व प्रशासन की टीम द्वारा राहत-बचाव कार्य किया जा रहा है। हादसे में बायला निवासी पांच साल का बच्चा व पिंगुवा निवासी एक अन्य ग्रामीण समेत दो लोग गंभीर घायल हैं। स्थानीय ग्रामीण घायलों को उपचार के लिए चकराता अस्पताल ले गए हैं।मृतकों की पहचान मातबर सिंह (40) पुत्र भगत सिंह, पत्नी रेखा देवी (32) व डेढ़ वर्षीय पुत्री तनवी, रतन सिंह (45) पुत्र रतराम, जयपाल सिंह चौहान (40) पुत्र भाव सिंह, अंजलि (15) पुत्री जयपाल सिंह चौहान, नरेश चौहान (35) पुत्र भाव सिंह, साधराम (55) पुत्र गुलाब सिंह, दान सिंह (50) पुत्र रतू, ईशा (18) पुत्री गजेंद्र, काजल (17) पुत्री जगत वर्मा सभी निवासीगण बायला-चकराता, जीतू (35) निवासी क्वानू-मलेथा व हरिराम शर्मा (48) पुत्र निवासी सिरमौर हिमाचल के रूप में हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चकराता में हुई वाहन दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने भगवान से मृतकों की आत्मा को शांति और परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। वहीं देहरादून से गए डॉक्टरों द्वारा मौके पर पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंपे जा रहे हैं। मृतकों और घायलों को आर्थिक सहायता देने के लिए देहरादून जिलाधिकारी द्वारा शासन से संस्तुति की गई है।

जम्मू-कश्मीरः घाटी में आतंकी संगठनों के कई ठिकानों पर एनआईए का छापा, अब तक 25 आरोपी गिरफ्तार

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शक्रवार को कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर छापा मारा। जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रमुख शहरों

में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम), अल बद्र, टीआरएफ, पीएएफ एफ आदि संगठनों द्वारा हिंसक आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की साजिश रचने के संबंध में जांच एजेंसी ने कार्रवाई की। इस दौरान डिजिटल सबूत व अन्य आपत्तिजनक सामग्री हाथ लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की विभिन्न टीमों ने पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों के साथ मिलकर श्रीनगर और बारामुला जिले में कई जगहों पर दबिश दी। जिन जगहों पर कार्रवाई की गई उसमें समर बाग न्यू कॉलोनी लसजन के आमिर अहमद गोजरी, हमदानिया कॉलोनी बेमिना के इशफाक अहमद वानी और सोपोर हैदर कॉलोनी के रशीद मुजफ्फर और उमर अय्यूब के आवास शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि इन जगहों से एनआईए द्वारा कई दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी कब्जे में लिए गए हैं। घाटी में अल्पसंख्यकों और बाहरी राज्यों के लोगों को आतंकियों द्वारा निशाना बनाने के बाद से एनआईए की टीमें आतंकी संगठनों और उनके नेटवर्क के खिलाफ पिछले कुछ दिनों से दबिश दे रही है। इस दौरान करीब 25 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। इससे पहले आतंकी फंडिंग के मामले में एनआईए ने बुधवार को सात जिलों में जमात-ए-इस्लामी के 17 ठिकानों पर छापे मारे थे। जमात के पदाधिकारियों और सदस्यों के परिसरों और संदिग्धों के परिसरों से छापे के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए। यह कार्रवाई कश्मीर के अनंतनाग, कुलगाम, गांदरबल, बांदीपोरा और बडगाम तथा जम्मू संभाग के किश्तवाड़ और जम्मू जिले में की गई।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दिए गए करीब 112 करोड़ कोरोना वैक्सीन के डोज : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अब तक करीब 112 करोड़ कोविड वैक्सीन की डोज मुहैया कराई जा चुकी है। 13 करोड़ से अधिक वैक्सीन की डोज अभी भी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास टीकाकरण के लिए उपलब्ध हैं। केंद्र सरकार पूरे देश में कोरोना टीकाकरण की गति को तेज करने और इसके दायरे का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने कहा कि अधिक टीकों की उपलब्धता, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए वैक्सीन उपलब्ध कराने के चलते टीकाकरण अभियान को तेज किया गया है।

राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में भारत सरकार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को मुफ्त में कोरोना के टीके उपलब्ध कराकर उनका समर्थन कर रही है। मंत्रालय ने कहा कि कोरोना टीकाकरण अभियान के नए चरण में केंद्र सरकार देश में वैक्सीन निमार्ताओं द्वारा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार किए जा रहे टीकों का 75 फीसद मुफ्त में आपूर्ति कर रही है।

मैनपुरी में बुखार का कहर : 24 घंटे में दो किशोरियों सहित पांच की मौत, जिला अस्पताल में 27 मरीज भर्ती

मैनपुरी। मैनपुरी जिले में बुखार से मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। पिछले 24 घंटे में बुखार से पीड़ित दो किशोरियों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में 27 मरीजों को भर्ती कराया गया। जबकि 55 मरीजों को प्राथमिक उपचार देने के साथ ही छुट्टी दे दी गई।

कोतवाली थाना क्षेत्र के गांव परोंख निवासी रामगोपाल की 70 वर्षीय पत्नी रेशमा देवी को पिछले कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। परिजनों ने शनिवार को उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया। यहां शनिवार की रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। कोतवाली थाना क्षेत्र के नगला जुला निवासी मनोज कुमार की 13 वर्षीय पुत्री मोनिका को भी पिछले कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। परिजन उसका एक निजी डॉक्टर के यहां उपचार करा रहे थे। रविवार को हालत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, यहां

डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एलाऊ निवासी 62 वर्षीय विशंभर दयाल को पिछले कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। परिजन उनका एक निजी डॉक्टर के यहां उपचार करा रहे थे। रविवार को उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के गांव बुर्रा निवासी रामचंद्र की 15 वर्षीय पुत्री मोनिका ने भी दम तोड़ दिया। उसे कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। रविवार को हालत ज्यादा बिगड़ गई। जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। कुरावली क्षेत्र के गांव नगला लक्ष्मण निवासी लालता प्रसाद के 35 वर्षीय पुत्र सुजीत कुमार की जान भी बुखार से ले ली। परिजन उसका एक निजी डॉक्टर के यहां उपचार करा रहे थे। रविवार को उसकी मौत हो गई।

क्रूज ड्रग्स केस : आर्यन खान के दोस्त अरबाज मर्चेंट को भी मिली रिहाई, परिवार में खुशी का माहौल

नई दिल्ली। मुंबई के चर्चित क्रूज ड्रग्स केस में बालीवुड एक्टर शाह रुख खान के बेटे आर्यन खान के साथ अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धमेचा को भी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था। आर्यन खान के साथ इन दोनों को भी जमानत मिल गई थी। जमानत मिलने के बाद भी अरबाज और मुनमुन को 30 अक्टूबर की रात जेल में बितानी पड़ी थी। मुनमुन धमेचा के बाद अब अरबाज मर्चेंट को भी मुंबई स्थित आर्थर रोड जेल से रिहा कर दिया गया है। रिपोर्टरों से बात करते हुए, अरबाज मर्चेंट के पिता असलम मर्चेंट ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं, उनकी मां सबसे ज्यादा खुश हैं कि हमारा बेटा घर आ गया है। हमारी प्रार्थना और आशीर्वाद सफल हुए हैं। हम सभी जमानत शर्तों का पालन करेंगे।' गुरुवार को ड्रग-आन-क्रूज मामले में आर्यन खान, अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धमेचा को मामले में तीन दिन की सुनवाई के बाद अदालत ने जमानत दे दी थी। अदालत ने तीनों जमानत याचिकाकताओं- आर्यन खान, अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धमेचा को हर शुक्रवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई कार्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच पेश होने को कहा है। गौरतलब है कि आर्यन खान को शनिवार को 28 दिन बाद जेल से रिहा कर दिया गया था। आर्यन को एनसीबी ने दो अक्टूबर को मुंबई से गोवा जा रहे क्रूज कार्डेलिया से उनके कुछ दोस्तों के साथ गिरफ्तार किया था। आर्यन की गिरफ्तारी के बाद से एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े एवं महाराष्ट्र में मंत्री नवाब मलिक के बीच एक विवाद चल रहा है। मुकुल रोहतगी ने इस विवाद से भी आर्यन को अलग करते हुए कहा था कि हमारे मुवक्किल का इस विवाद से कोई लेनादेना नहीं है। हम अपनी ओर से एनसीबी पर कोई आरोप नहीं लगा रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत के सपने को सिद्ध करने के लिए सहकारिता से बड़ा कोई मार्ग नहीं : शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सहकारिता के क्षेत्र में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को सिद्ध करने के लिए सहकारिता से बड़ा कोई मार्ग नहीं हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने गुजरात के आणंद में अमूल के 75वें स्थापना वर्ष समारोह में कहा कि सरदार पटेल का अमूल से गहरा रिश्ता है। प्राइवेट डेयरी के अन्याय के खिलाफ किसानों के संघर्ष को सरदार पटेल की प्रेरणा और कर्मठ नेता त्रिभुवन दास पटेल ने सकारात्मक सोच की तरफ मोड़ने का काम किया। शाह ने कहा कि आज अमूल का 75वां स्थापना वर्ष अमृत महोत्सव चल रहा है। जब मात्र 200 लीटर दूध एकत्रित होता था तब कल्पना भी नहीं की होगी कि आज अमूल का 2020-21 का वार्षिक टर्नओवर 53,000 करोड़ को पार कर चुका है। आज अमूल ने प्रतिदिन 30 मिलियन दूध की प्रोसेसिंग और स्टोरेज करने की क्षमता विकसित की है। 36 लाख किसान परिवार इसको अपना व्यवसाय बनाकर, अमूल के साथ जुड़े हुए हैं और अपना जीवन सम्मान से जी रहे हैं। शाह ने कहा कि 18,600 से ज्यादा गांव की छोटी-छोटी दुग्ध सहकारी समितियां अमूल से जुड़कर इसे एक वटवृक्ष बनाने में अपना योगदान दे रही हैं। 18 जिला स्तरीय डेरियां और पूरे देश में 87 मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट अमूल द्वारा लगाए गए हैं। मोदी जी ने

सहकारिता मंत्रालय बनाया है वो 'सहकार से समृद्धि' के सूत्र वाक्य के साथ बनाया गया है। मुझे पूरा विश्वास है कि पांच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के अंदर सहकारिता बहुत बड़ा योगदान कर सकती है। आत्मनिर्भर भारत के सपने को सिद्ध करने के लिए सहकारिता से बड़ा कोई मार्ग नहीं हो सकता है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री ने गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता यात्रा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इसमें उन्?होंने कहा कि आज सरदार पटेल की जन्म जयंती है। मैं पूरे देश में करोड़ों देशवासियों को बताना चाहता हूं- सदियों में कोई एक सरदार बन पाता है, वो एक सरदार सदियों तक अलख जगाता है।

सरदार पटेल जी की दी हुई प्रेरणा ने ही आज देश को एक और अक्षुण्ण रखने का कार्य किया है। आज उनकी प्रेरणा देश को आगे ले जाने में, हमें एकजुट रखने में सफल हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केवड़िया किसी जगह का नाम नहीं है, ये तीर्थ स्थान बन गया है। राष्ट्र की एकता का तीर्थ स्थान, देश भक्ति का तीर्थ स्थल और आज ये आसमान को छूने वाली स्टैच्यू आफ यूनिटी पूरी दुनिया को संदेश दे रही है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है। सरदार पटेल किसी भी बात को बेबाक तरीके से रखने में जरा भी झिझकते नहीं थें, इसलिए आज जब भारत माता अखंड स्वरूप देख रहे हैं वो केवल और केवल सरदार जी के कर्म का ही नतीजा है।

साइकिल से पटाखा लेने गए मासूम की 14 घण्टे बाद शव बरामद

प्रखर जौनपुर। जिले के मड़ियाहूं कोतवाली के भंडरिया के पास अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के कारण 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे. लगभग 14 घंटे बाद मलबे में से 10 साल के मासूम लड़के आकिब का भी शव बरामद किया गया है। परिजनों के अनुसार आकिब वहां पटाखा खरीदने गया था। देर शाम तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। जहां पटाखा विस्फोट हुआ था वहां से आकिब की साइकिल बरामद हुई थी। सुबह जब मलबों को हटाया गया तो वहां पर आकिब का शव मिला। शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया है। आकिब के पिता के अनुसार जब देर शाम वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कराई। उसकी साइकिल पटाखा विस्फोट घटनास्थल के पास से मिली थी। परिजनों को आशंका थी कि वह विस्फोट की चपेट में तो नहीं आ गया। सुबह जब मांगों को हटाया गया तो वहां से आकिब का शव बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल इस मामले में शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है।

चिंतन मनन

पाक की फितरत

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद ने अपना जो वीभत्स रूप दिखाया है उसमें हैरत का कोई कारण नहीं है। जम्मू कश्मीर सीमा पार पाकिस्तान ही नहीं वैश्विक जेहादी आतंकियों के कई समूहों के रडार पर लंबे समय से है। 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद तथा पूर्व तैयारी के लिए सुरक्षा सहित सांस्कृतिक, प्रशासनिक, राजनीतिक, आर्थिक संबंधी उठाए गए कदमों तथा के कारण जमीन पर हुए बदलावों ने उन सबको विचलित कर दिया। आतंकवाद की मुख्य प्रेरणा और संसाधनों का स्रोत जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध, उनके नेताओं की गिरफ्तारी, भारत विरोधी आग उगलने वाले धर्मस्थलों पर कानूनी कार्रवाई तथा अलगाववादी नेताओं की देश विरोधी गतिविधियों पर कुठाराघात आदि ने आतंकवाद पर इतिहास का सबसे जबरदस्त और मारक प्रहार किया है। भारत के अन्य राज्यों की सामान्य कतार में जम्मू कश्मीर को खड़ा करने की कोशिशों में मिल रही सफलता के कारण तीन दशक पूर्व वहां से पलायन कर गए हिंदुओं और सिखों के अंदर वापसी की चाहत और उम्मीद पैदा हुई तथा केंद्र सरकार ने उनको प्रेरित करने की दृष्टि से आधारभूत संरचना निर्माण करने सहित कई ठोस कदम उठाए हैं। पाकिस्तान को यह सब गंवारा नहीं था और न भारत के विरुद्ध जेहाद कर कश्मीर को इस्लामी राज्य में परिणत करने के लिए प्रयासरत आतंकवादी और अलगाववादी समूहों को। चाह कर भी वे पिछले करीब दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर में उस तरह का आतंकवादी हमला करने में सफल नहीं हो पाए जिससे बदलाव पर साफ ग्रहण लगता दिख जाए। आतंकवादियों की रणनीति के इस समय कुछ पहलू साफ नजर आते हैं। एक, गैर मुस्लिमों यानी हिंदुओं और सिखों को इस तरह निशाना बनाना ताकि जम्मू कश्मीर के अंदर और बाहर रह रहे लोगों के अंदर भय पैदा हो जाए। दूसरे, भारत, देश, राष्ट्रभक्ति आदि की बात करने और उस दृष्टि से भूमिका निभाने वाले पर हमला करना। आतंकी, उनके रणनीतिकार, प्रायोजक और सूत्रधार सभी जम्मू-कश्मीर में 1990 के दशक की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। इसका कुछ तात्कालिक असर भी हुआ है। प्रधानमंत्री पुनर्वास पैकेज के तहत 3841 कश्मीरी हिंदुओं को घाटी में रोजगार दिया गया। श्रीनगर में एक हिंदू शिक्षक तथा प्रिंसिपल की आई कार्ड देख कर तथा मुसलमान शिक्षकों से अलग कर की गई हत्या के बाद ज्यादातर वहां से भाग रहे हैं या निकल भागने की कोशिश में है। श्रीनगर के दवा व्यवसाई मक्खनलाल बिंदरू की हत्या के साथ ही इनके अंदर फिर 1990 का भय पैदा होने लगा था। तब 19 जनवरी, 1990 को सबसे बड़ा पलायन हुआ था जब 60 हजार कश्मीरी पंडित वहां से निकल गए। मस्जिदों से नारे लगते थे कि हमें क्या चाहिए, निजाम ए मुस्तफा। सड़कों पर भी नारे लगते थे कि यहां से निकल जाओ, नहीं तो मरने या फिर धर्म बदलने के लिए तैयार रहो। कितने कश्मीरी हिंदू-सिख मारे गए, कितनी महिलाओं के बलात्कार हुए, कितने का धर्म बदला इसके अलग-अलग आंकड़े हैं। कुल मिलाकर वह ऐसी स्थिति थी जिसकी बुरे से बुरे सपनों में भी कल्पना नहीं की जा सकती थी। हालांकि बीच-बीच में कश्मीरियों ने आयोजित चुनावों में भाग लेकर दिखाया कि वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के समर्थक हैं। पर इससे स्थिति ज्यादा नहीं बदली। प्रश्न है कि क्या आतंकवादी पुनः वैसी भयावह स्थिति कायम कर देंगे? क्या समय का चक्र घूम कर फिर उस अवस्था में पहुंच जाएगा? आतंकवादियों और उनके समर्थकों के सोशल मीडिया चैट से अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता की वापसी को कश्मीर में जेहाद के लिए अनुकूल समय तथा उनसे सहायता की बातें हैं। तालिबान के हाथों सत्ता आने के बाद जब विश्व भर के जिहादी आतंकवादियों का हौसला बढ़ा है तो जम्मू कश्मीर केंद्रीय आतंकवादी भी उसी परिधि में आते हैं। वे मानते हैं कि हमने सोवियत संघ और अब अमेरिका जैसे महाशक्ति को जब परास्त कर दिया तो भारत ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा। अनस हक्कानी का महमूद गजनबी की मजार पर जाकर सोमनाथ हमले का ट्वीट करना अनायास नहीं हो सकता। उसने वहां से जो संदेश दिया है उसे उसी रूप में समझने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार, जम्मू कश्मीर प्रशासन, खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों को भी इसका एहसास था और है कि अफगानिस्तान का परिवर्तन कश्मीर सहित भारत में आतंकवाद को वैचारिक और संसाधनिक खुराक प्रदान कर रहा है।

हुए वो फरार !

ढूंढ रहा है तंत्र जिन्हें ।
हुए वो फरार ।।
आई ऐसी नौबत ।
कौन जिम्मेदार ?
रस्साकस्सी चल रही ।
खोज कर है लाना ।।
घटनाक्रम जो घटित है ।
हंस रहा जमाना ।।
नियम और कानून का ।
है कैसा पैमाना ?
खुफिया तंत्र असफल ।
खाली हुआ खजाना ?
दोषी अगर फरार ।
हैं फिर सब नाकाम ।।
जिम्मेदारी जिन पर ।
कहां वो तमाम ।।

–कृष्णोन्द्र राय

उत्तर प्रदेश में भाजपा की मुश्किल बने वरुण गाँधी ?

उत्तर प्रदेश की राजनीति में वरुण गाँधी कभी भाजपा की बड़ी उम्मीद रहे। भाजपा कभी उनमें अपना भविष्य देख रही थी। कांग्रेस में नेहरू और गाँधी परिवार की काट के लिए भाजपा ने मेनका गाँधी को लाया गया था। बाद में इस जिम्मेदारी को वरुण गाँधी ने आगे बढ़ाया। भाजपा गांधी परिवार के खिलाफ, गाँधी परिवार को ही आगे रख काँटे से काँटा निकालने की नीति अपनायी। जब उत्तर प्रदेश में वरुण गांधी हिंदुत्व के फायर ब्रांड नेता के रूप में उभर रहे थे तो भाजपा उनमें अपनी नई जमींन तलाश रहीं थीं। वरुण गांधी को अपने विवादित बयानों की वजह से काफी चर्चित भी हो गए। वरुण गांधी को लोग उत्तर प्रदेश के भविष्य का मुख्यमंत्री भी बताने लगे थे। लेकिन भाजपा में मोदी और शाहयुग की शुरूवात के बाद गांधी परिवार हाशिए पर चला गया।

पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गाँधी पार्टी लाइन से हटकर सीधे किसानों का समर्थन कर रहे हैं। उनकी मुखरता भाजपा को पच नहीं रहीं है। वरुण गांधी हमेशा किसानों की बातें करते रहे हैं। वह एक लेखक और कवि भी हैं। कृषि की समस्याओं और नीतिगत मामलों लेकर उन्होंने कई आर्टिकल लिखें। लखीमपुर की घटना के बाद वह अपने बयानों से भाजपा की मुश्किल बढ़ा दिए हैं। भाजपा वरुण गांधी को कितना बर्दास्त कर पाएगी यह वक्त बताएगा। लेकिन वर्तमान में भाजपा में मेनका और वरुण गांधी के हैसियत हासिए पर है। मां मेनका गांधी के साथ वरुण गांधी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी से बाहर निकाल दिया गया। हालांकि इसमें और राजनेता शामिल हैं। लेकिन पार्टी का तर्क है कि नए लोगों को लाने के लिए इस तरह के फैसले लेने पड़ते हैं। किसान आंदोलन को लेकर वरुण गांधी ने हमेशा पार्टी लाइन से हटकर बात की है। केंद्र सरकार और किसानों के बीच बढ़ते तकरार पर भी उन्होंने केंद्र सरकार से लचीला रुख अपनाने की बात कही थी। केंद्र सरकार से उन्होंने कई बार इस गतिरोध को दूर करने के लिए भी कहा, लेकिन उनकी बात को कभी गंभीरता से नहीं लिया। लखीमपुर हादसे को लेकर वह काफी परेशान दिखे। उन्होंने उसका घटना का वीडियो भी ट्वीट करते हुए दोषियों को सजा दिलाने की मांग रखी।

पश्चिमी यूपी की एक मंडी में किसान धमोह सिंह 15 दिन चक्कर लगाता रहा लेकिन उसकी धान की फसल नहीं खरीदी गई। बाद में किसान ने ऊबकर धान की फसल की उपज में खुद आग लगा दिया। जिसका वीडियो ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा कि हमें ऐसी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस तरह की नीतियां हमें कहां लाकर खड़ी करती हैं। वरुण गांधी गन्ना मूल्य को लेकर भी उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में गन्ने का मूल्य ?400 प्रति कुंतल करने की मांग की थी। मुजफ्फरपुर में हुई किसान महापंचायत पर भी अपनी सरकार से उन्होंने समझौता वादी रुख अपनाने की अपील की थी। इस तरह देखा जाए तो वरुण गांधी हमेशा किसानों के पक्ष की बातें करते रहे हैं। उन्होंने इसकी चिंता कभी नहीं की कि पार्टी का रूख उनके पक्ष में है या खिलाफ। वह हमेशा एक जिम्मेदार सांसद के रूप में जमीनी मुद्दे उठाते रहे हैं। किसानों के मुद्दों को उन्होंने प्रमुखता से उठाया है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस जब मजबूत स्थिति में थीं तो उस समय गाँधी परिवार की काट के लिए भाजपा ने गांधी परिवार को ही आगे रखा। भाजपा में अटल युग के दौरान मेनका गांधी भाजपा में शामिल हुई थी। लेकिन मेनका और वरुण गांधी ने कभी भी रायबरेली और अमेठी में राजनीतिक रूप से हस्तक्षेप नहीं किया। राजीव गांधी, सोनिया और राहुल एवं प्रियंका गांधी की तरफ से भी अपनी चाची मेनका और चचेरे भाई वरुण गांधी पर कभी भी सियासी हमला नहीं बोला गया। अलग-अलग पार्टी की विचारधाराओं में रहते हुए भी गांधी परिवार ने इस खासियत को बनाए रखा। दोनों परिवारों की तरफ से सियासी लड़ाई को गांधी बनाम गांधी नहीं होने दिया गया। बदलते राजनीतिक परिदृश्य में दोनों परिवारों के लिए बहुत बड़ी बात रहीं है।

गांधी परिवार की संस्कृत और संस्कार को हमेशा सियासत से अलग रखा गया। एक दूसरे की मयार्दा और सम्मान के खिलाफ दोनों परिवारों की तरफ से गलत टिप्पणी बेहद कम सुनी गई। राजनीतिक दल इन्हें अपने लिहाज से मोहरा बनाना चाहे, लेकिन गांधी परिवार इसका शिकार नहीं हुआ। सामान्य बातों को छोड़ दिया जाय तो परिवारिक संबंधों को हमेशा राजनीति से अलग रखा गया। गांधी परिवार के तीन युवा चेहरे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और वरुण गांधी इस स्थिति को आज भी बनाए हैं।सोनिया गांधी और मेनका गांधी आपस में देवरानी और जेठानी होते हुए भी कभी सियासत के नीचले पायदान पर नहीं उतरी। गांधी परिवार की राजनीति एक अलग तरह की मिसाल है।

उत्तर प्रदेश के बदले राजनीतिक हालात में भाजपा के लिए वरुण और मेनका गांधी अब उतने प्रासंगिक नहीं रह गए। क्योंकि कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए उन्हें भाजपा में लाया गया था। अब खुद कांग्रेस कमजोर हो चली है जिसकी वजह से उनके सियासी मायने भी बदल गए हैं। मेनका और वरुण गांधी भाजपा को छोड़कर कहीं जा भी नहीं सकते हैं। हालांकि राजनीति में कुछ कहना संभव नहीं है। लेकिन सवाल उठता है कि अगर वह भाजपा छोड़ेंगे भी तो कहां जाएंगे। कांग्रेस में जा नहीं सकते हैं। सपा और बसपा उनके राजनैतिक कैडर के लिहाज से मेल नहीं खाती। इस हालात में भाजपा में बने रहना उनकी मजबूरी है। भाजपा उन्हें कब तक ढोएगी यह देखना होगा।

वरुण गांधी भाजपा में होते हुए भी किसानों के मुद्दे को लेकर अलग नजरिया क्यों रखते हैं। वरुण वरुण गांधी जहाँ से चुनाव जीत कर आए हैं वह इलाका किसान बाहुल्य है। पश्चिमी यूपी का पूरा बेल्ट कृषि प्रधान है। किसान आंदोलन को जमीनी धार देने वाले राकेश टिकैत भी पश्चिमी यूपी से आते हैं। पंजाब और पश्चिमी यूपी में किसानों की बड़ी तादात है। वरुण गांधी इन्हीं किसानों के बीच से चुनकर आए। वह जिस पीलीभीत से चुनकर आए हैं वह इलाका गन्ना गेहूं और धान की उपज के लिए जाना जाता है। गन्ने की खेती वहां व्यापक पैमाने पर होती है। वरुण गांधी को जीत दिलाने वाले वहां के किसान ही है। उस हालात में वरुण गांधी को किसानों का समर्थन करना ही पड़ेगा। सरकार और किसानों के बीच गतिरोध को लेकर वरुण गांधी बीच का रास्ता निकालने के लिए आग्रह भी कर चुके हैं। लेकिन सरकार ने उनकी बातों का संज्ञान नहीं लिया।

जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह थे उस दौरान वरुण गांधी को विशेष अहमियत मिली थी। उन्हें पश्चिम बंगाल का पार्टी प्रभारी और पार्टी का महासचिव बनाया गया था। लेकिन भारतीय जनता पार्टी की कमान जब अमित शाह के हाथ आई तो वरुण गांधी का पत्ता साफ हो गया। भाजपा में मोदी और शाहयुग आने के बाद से ही गांधी परिवार हाशिए पर है। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दे चुके हैं। कांग्रेस और गांधी परिवार एक दूसरे की आत्मा है। फिर भाजपा में गांधी परिवार की बेल मोदी और अमितशाह की मौजूदगी में भला कैसे पनप सकती है। मेनका गांधी को मंत्रिमंडल से भी हटा दिया गया। वैसे देखा जाए तो भाजपा के लिए अब मेनका और वरुण गांधी की अहमियत खत्म हो चुकी है। अगर दोनों भाजपा छोड़ भी देते हैं तो उसकी सेहत पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है। लेकिन वरुण गाँधी अगर इसी तरह बयानबाजी करते रहे तो राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा की मुश्किल बढ़ सकती है। क्योंकि किसान आंदोलन को लेकर पश्चिमी यूपी का किसान नाराज चल रहा है।

धनत्रयोदशी (धनतेरस) का आध्यात्मिक महत्व

दिवाली से जुड़े इस त्योहार के अवसर पर नए आभूषण खरीदने की प्रथा है। व्यापारी भी इस दिन अपने तिजोरी की पूजा करते हैं। धनत्रयोदशी अर्थात देवताओं के वैद्य धन्वंतरि देवता का जन्म दिवस। आइए इस लेख के माध्यम से हम इस दिन का महत्व तथा इस दिन किए जाने वाले कृतियों का शास्त्र समझ कर लेते हैं।

यह पर्व कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस वर्ष 2 नवम्बर 2021 को धनत्रयोदशी है। इस दिन धन की पूजा की जाती है, जिससे हमारा जीवन सुचारू रूप से चल सके । यहाँ 'धन' का अर्थ है शुद्ध लक्ष्मी। श्रीसूक्त में वसु, जल, वायु, अग्नि और सूर्य को धन कहा गया है। सन्मार्ग से अर्जित किया गया धन ही वास्तविक लक्ष्मी है। अन्यथा अलक्ष्मी विपत्ति का कारण बनती है।

इस पर्व की व्यावहारिक तथा आध्यात्मिक विशेषताएं इस प्रकार हैं ।

व्यावहारिक - व्यापारियों के लिए यह दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है; क्योंकि श्री लक्ष्मी देवी की पूजा धन प्राप्ति के लिए की जाती है।

आध्यात्मिक - इस दिन ब्रह्मांड में श्रीलक्ष्मी देवी का तत्त्व अधिक मात्रा में प्रक्षेपित होता है। इसलिए, जीव को श्री लक्ष्मी देवी और नारायण की कृपा प्राप्त होती है। परन्तु यह कृपा जीव के भाव पर निर्भर होती है। वर्तमान काल में साधकों को शक्ति की आवश्यकता है,तथा जीव को व्यावहारिक सुख की अपेक्षा जीवन बचाना और उसे सुरक्षित रखना अधिक महत्वपूर्ण है इसलिए यह दिन साधना करने वाले जीव के लिए 'महापर्व' के रूप में माना जाता है।

महत्त्व : इस दिन को बोलचाल की भाषा में 'धनतेरस' कहा जाता है। इस दिन व्यापारी तिजोरी की पूजा करते हैं। व्यापारिक वर्ष दिवाली से दीवाली तक होता है। इस दिन नए वर्ष का बहीखाता खरीदा जाता है और उसकी पूजा की जाती है, उसके उपरांत यह उपयोग में लायी जाती है।

इस दिन स्वर्ण अथवा चांदी के नए पात्र क्रय करने की कृति द्वारा श्री लक्ष्मी के धन रूपी स्वरूप का आवाहन किया जाता है और कार्यरत लक्ष्मी तत्त्व को गति प्रदान की जाती है । इससे घर में पूरे वर्ष धन लक्ष्मी का वास रहता है। वास्तविक लक्ष्मी पूजन के समय, पूरे वर्ष के लेन देन का हिसाब देना होता है। उस समय, यदि धनत्रयोदशी तक बचा हुआ धन सत्कार्य के लिए व्यय हुआ हो तो धनलक्ष्मी अंत तक रहती है । धन अर्थात पैसा, यह पैसा पसीना बहा कर, मेहनत से, योग्य मार्ग से वर्ष भर अर्जित किया हुआ होना चाहिए। शास्त्र कहता है कि इस धन का कम से कम 1/6 भाग धर्म कार्य में खर्च करना चाहिए।'- परम पूज्य परसराम माधव पांडे महाराज, सनातन आश्रम, देवद, पनवेल।

पूर्व काल मे राजा वर्ष के अंत मे अपना खजाना सत्पात्र को दान कर खाली करते थे। और वे धन्य महसूस करते थे। परिणामस्वरूप, लोगों और राजा के बीच संबंध पारिवारिक थे। राजा का खजाना प्रजा का होता था और राजा केवल उसकी देखभाल करने वाला होता था। इसलिए, लोग बिना किसी बाधा के करों का भुगतान करते थे। तो स्वाभाविक रूप से खजाना फिर भर जाता था । अच्छे कामों के लिए धन का उपयोग होने से आत्मबल भी बढ़ता था।

धन्वंतरि जयंती - 'देवताओं और दानवों द्वारा समुद्र मंथन से धन्वंतरि देवता उत्पन्न हुए थे । चार भुजाओं वाले भगवान धन्वंतरि के एक हस्त में 'अमृत कलश', दूसरे हस्त में 'जोंक', तीसरे हस्त में 'शंख' तथा चौथे हस्त में 'चक्र' विराजमान है । भगवान धन्वंतरि इन वस्तुओं का उपयोग करके सर्व रोगों का उपचार करने का कार्य करते हैं।'- आधुनिक वैद्य श्रीराम लाडे ।

पूजा विधि - वैद्यगण इस दिन धन्वंतरि देवता (देवताओं के वैद्य) की पूजा करते हैं। लोगों को 'प्रसाद' के रूप में बारीक कटी हुई नीम की पत्तियां और चीनी दी जाती है। नीम की उत्पत्ति अमृत से हुई है। धन्वंतरि अमृत के दाता हैं । यदि प्रतिदिन पांच से छह नीम के पत्ते खाए जाएं तो व्यक्ति के बीमार होने की संभावना नहीं रहती है। नीम में इन गुणों के कारण ही इस दिन इसे धन्वंतरि प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है।

यमदीपदान - यम, मृत्यु एवं धर्म के देवता हैं । हमें यह सतत भान रहना आवश्यक है कि, प्रत्येक मनुष्य की मृत्यु निश्चित है । मृत्यु को टाला नहीं जा सकता है; लेकिन किसी की अकाल मृत्यु न हो इसलिए धनत्रयोदशी के दिन यम धर्म के लिए आटे के तेरह दीपक बनाकर शाम के समय घर के बाहर दक्षिण की ओर मुख करके रखें। अन्य समय दीपक का मुख कभी भी दक्षिण की ओर नहीं होना चाहिए, केवल इस दिन ये तेरह दीपक दक्षिण की ओर मुंह करके प्रज्वलित करना चाहिए। फिर आगे दिए गए मंत्र का उच्चारण कर प्रार्थना करें।

मृत्युना पाशदंडाभ्यां कालेन श्यामयासह ।

त्रयोदश्यादिपदानात सूर्यजः प्रियतां मम ।।

इसका अर्थ है, त्रयोदशी पर ये दीप मैं सूर्य पुत्र अर्थात यम देवता को अर्पित करता हूं । वे मुझे मृत्यु के पाश से मुक्त करें और मेरा कल्याण करें ।

'धनत्रयोदशी पर, श्री लक्ष्मी तत्व अधिक मात्रा मे पृथ्वी पर कार्यरत रहता हैं। वर्तमान में लोग इस दिन धन व आभूषण के रूप में श्री लक्ष्मी की पूजा करते हैं। इस कारण उन्हें सही मायने में श्री लक्ष्मी की कृपा प्राप्त नहीं होती है। केवल स्थूल धन की पूजा करने वाली आत्मा, माया के जाल में फंस जाती है और मानव जन्म के मूल उद्देश्य को भूल जाती है। जब कि मानव जीवन का मूल उद्देश्य साधना द्वारा मोक्ष प्राप्त करना है। इस दिन श्री लक्ष्मी देवी का ध्यान कर शास्त्र सम्मत तरीके पूजन करना चाहिए।

सन्दर्भः सनातन द्वारा निर्मित ग्रंथ ' त्योहार, धार्मिक उत्सव और व्रत'

पुस्तक समीक्षा- जनसामान्य का स्पंदन 'एकांत की आहट'

अखिल भारतीय सेवा के मध्यप्रदेश काडर के अधिकारी डॉ. मनोहर अगनानी द्वारा लिखी गई पुस्तक को कोराना काल के दोनों लॉकडाउन में दो बार पढ़ा। 52 शीर्षकों में विभक्त इस पुस्तक को पढ़ते हुए मेरे अपने जीवन की अनेक घटनायें स्मृति पटल पर तरंगित हुई । कभी हर्षोतिरेक, कभी विशाद, कभी रोमांचित करने वाले प्रेरक प्रसंग, कभी भाव विव्हलता की स्थितियां बनी तो कभी काल क्रम के प्रभाव के दर्शन, सामाजिक समस्याओं से साक्षात्कार हुआ और सामाजिक सरोकार का रेखांकन मानस पटल पर उभर कर आया। लेखक की एकान्त की आहट के पूर्व भी तीन पुस्तकें प्रकाशित हुई है मिसिंग गर्ल्स, कहाँ खो गई बेटियां अन्दर का स्कूल इनमें प्रथम दोनो पूर्णतः बेटियों को समर्पित है। अन्दर के स्कूल एवं एकांत की आहट संस्मरणों के चुनिंदा मोतियों की मालायें हैं। लेखक को देश मे गिरते लिंगानुपात, समाज में जैण्डर (के मध्य लिंग-भेद अमूर्त, अव्यक्त एवं प्रभावी या हावी सोच) की समस्या ने ह्दयतल से चिंतित किया है इसके अतिरिक्त समाज में व्याप्त अनेक बुराईयों और विसंगतियों ने भी लेखक के मन को विचलित किया है। उक्त विचारमाला भाषाबद्ध होकर इन पुस्तकों के स्वरूप में प्रकट होकर हमारे सामने है। लेखक की शिक्षा-दीक्षा चिकित्सा क्षेत्र की है, पेशे से अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी है और लेखन सामाजिक विषयों पर है। अर्थात चिकित्सक, प्रशासक एवं लेखक तीनों के पृथक-पृथक दर्षन के अदभुत समन्वय से बने समाजशास्त्री हैं। एकांत की आहट के लेखन को पढ़कर ऐसा अनुभव हुआ है।

क्षणे-क्षणे यन्नवतामुपैति तदैव रूपं रमणीयताया (शिशुपाल वधम 4/17) अर्थात जो प्रत्येक क्षण नवीनता को धारणा करता है वही रमणीयता है अर्थात सुन्दरता है। पुस्तक का प्रत्येक शीर्षक एक नयी सीख देते हुए प्रकट होता है जो, प्रतिभा प्रसूत है। यह पुस्तक न केवल संस्मरणों का लिपिबद्द स्वरूप मात्र है अपितु लोक जीवन की सहज शैली की निरूपम सौन्दर्य बोध दायी साहित्यक कृति है। इसे पढ़कर प्रत्येक पाठक अपने जीवन में घटित घटनाओं से साम्य बिठाकर अन्तर्मन में अतुलनीय आनन्दाधिगम को प्राप्त करता है। पुस्तक में दैनिक जीवन की छोटी से छोटी घटना-प्रधटना से प्राप्त होने वाली अनुभवजन्य सीख को लेखनी के माध्यम से एकान्त की आहट में भाषाबद्ध किया गया है। रोजमर्रा का जीवन अपने आप में सभी रसों (09) से सरावोर होता है। जीवन क्रम के उतार-चढ़ाव वे छन्द है जिनमें रस और अलंकार मौजूद रहते है। साहित्य के अन्तर्गत काव्य में रसों की मौजूदगी की विवेचना व्याख्या में प्रायः शुमार होती है, परन्तु इससे भिन्न इस पुस्तक में वर्णित तथ्य एवं कथ्य गद्य शैली में यत्र-तत्र जीवन के रस बरसाते हुए एक बेहतर संदेश के साथ अवतरित हुए है। यह इस पुस्तक की रमणीयता है।

पुस्तक की भाषा जनसामान्य से पहुंच के भीतर है। लेखन में विषय को स्पष्ट करने के लिए उर्दू, फारसी शब्द जैसे फितरत, जूनून, शख्स, मसगूल, जिक्र, सलीका, तालीम खूबसूरत, सबब, मेहफूज, लिहाजा, जाहिर, इंतजार, बेसब्र, खुषफहमी, आलम, सकून, शुमार, खामियाजा, मुमकिन, अफसोस, आदि तथा अंग्रेजी के मैटेनेंस, रेस्पांस, फिटनेस, मौंनिंगवॉक, सेंडआफ, शिफ्ट, लोकेशन, वेक्टीरियल इन्फेक्सन, कंसेप्ट, को डिजाईनर, टेम्प्ररेरी सर्वर, अपडेट, ऐन्टीबायोटिक, साइडइफेक्ट, एलर्जी, टेक्नालॉजी, ब्लण्डर, सिकजोक्स, आदि जैसे शब्दों का प्रयोग करने में कोई परहेज नहीं किया गया है। इस प्रकार इस पुस्तक में हिन्दी, अंग्रेजी और उर्दू के शब्दों की त्रिवेणी में पाठक सहजता से स्नान कर सकते है। एकान्त की आहट जीवन दर्शन का साक्षात्कार है यह कहने में कोई संदेह नहीं है। पुस्तक में दी गई विषय सामग्री के पठन से हर उम्र का पाठक विषयवस्तु के साथ आत्मानुभूति और आत्म साक्षात्कार करता देखा जा सकता है।

घातक साबित हो रहे टेप बॉल क्रिकेट से निकले गेंदबाज

टेप बॉल क्रिकेट से निकले गेंदबाज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल रहे हैं। इस सफलता के पीछे टेप बॉल क्रिकेट है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हैरिस रऊफ भी टेप बॉल क्रिकेट खेलते थे। एक बार वह पीएसएल टीम लाहौर कलंदर्स के ट्रायल के लिए गए। यहां उनकी रफ्तार ने सबको हैरान कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे आकिब जावेद की नजर उन पर पड़ी और फिर हैरिस आगे निकलते गये। टेप बॉल क्रिकेट से ही भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने भी गली क्रिकेट से टीम इंडिया का सफर तय किया है।

टेप बॉल क्या है ओर इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजों को किस प्रकार होता है लाभ

टेप बॉल : इसका जवाब नाम में ही छिपा है, टेप-बॉल एक टेनिस बॉल है, जिसे बिजली के टेप में लपेटा जाता है। ऐसा गेंद को ज्यादा चिकना बनाने के लिए किया जाता है। टेप लगाने के बाद भी यह गेंद पारंपरिक लेदर गेंद से हल्की होती है।

गेंदबाजी में ऐसे मिलता है लाभ– जब कोई गेंदबाज भारी गेंद यानी लेदर बॉल से गेंदबाजी करता है, तो उसकी आर्म स्पीड कम होती है। इसका सीधा सा मतलब गेंद की रफ्तार कम होना पर जब आप टेप बॉल जैसी हल्की गेंद से क्रिकेट खेलते हैं तो आपकी आर्म स्पीड बढ़ जाती है और इससे गेंद की रफ्तार में अच्छा-खासा इजाफा हो जाता है। हारिस रऊफ के मामले में भी ऐसा ही है। वो भी टेप बॉल क्रिकेट खेलकर ही अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं। केवल वही नहीं, शाहीन अफरीदी, वसीम अकरम और आकिब जावेद सब पाकिस्तान की गलियों में इसी तरह की क्रिकेट खेलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक पहुंचे थे।

टेप–बॉल और लेदर बॉल की रफ्तार में अंतर – टेप बॉल सामान्य क्रिकेट बॉल की तुलना में हवा में 20 फीसदी तेजी से निकलती है। इसका मतलब अगर कोई गेंदबाज 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकता है तो टेप बॉल क्रिकेट में गेंद की रफ्तार बढ़कर 155 किमी प्रति घंटा हो जाएगी क्योंकि यह लेदर बॉल की तुलना में हल्की और छोटी होती है यही वजह है कि टेप बॉल क्रिकेट से निकले पाकिस्तानी गेंदबाज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रफ्तार से बड़े-बड़े बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं।

संसद भवन को सेंट्रल विस्टा बनाने के मायने

स बार स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) समारोह जैसे राष्ट्रीय पर्व पर भी कोरोना महामारी की काली छाया रहेगी। जीवन के हर पहलू पर वार कर चुकी यह महामारी अभी और कितना संकट पैदा करेगी, कोई नहीं जानता। आर्थिक व्यवस्था को दोबारा पटरी पर लाने की जद्दोजहद के बीच केंद्र सरकार ने नये संसद भवन की हजारों करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे डाली। प्रस्तावित परिसर को सेंट्रल विस्टा नाम दिया गया है। कोरोना महामारी संकट के दौरान इस परियोजना की जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए और संसद भवन के ढांचे में बदलाव के कुछ सुझावों के साथ इसके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाल रहे हैं पूर्व संसदीय कार्य मंत्री पवन कुमार बंसल

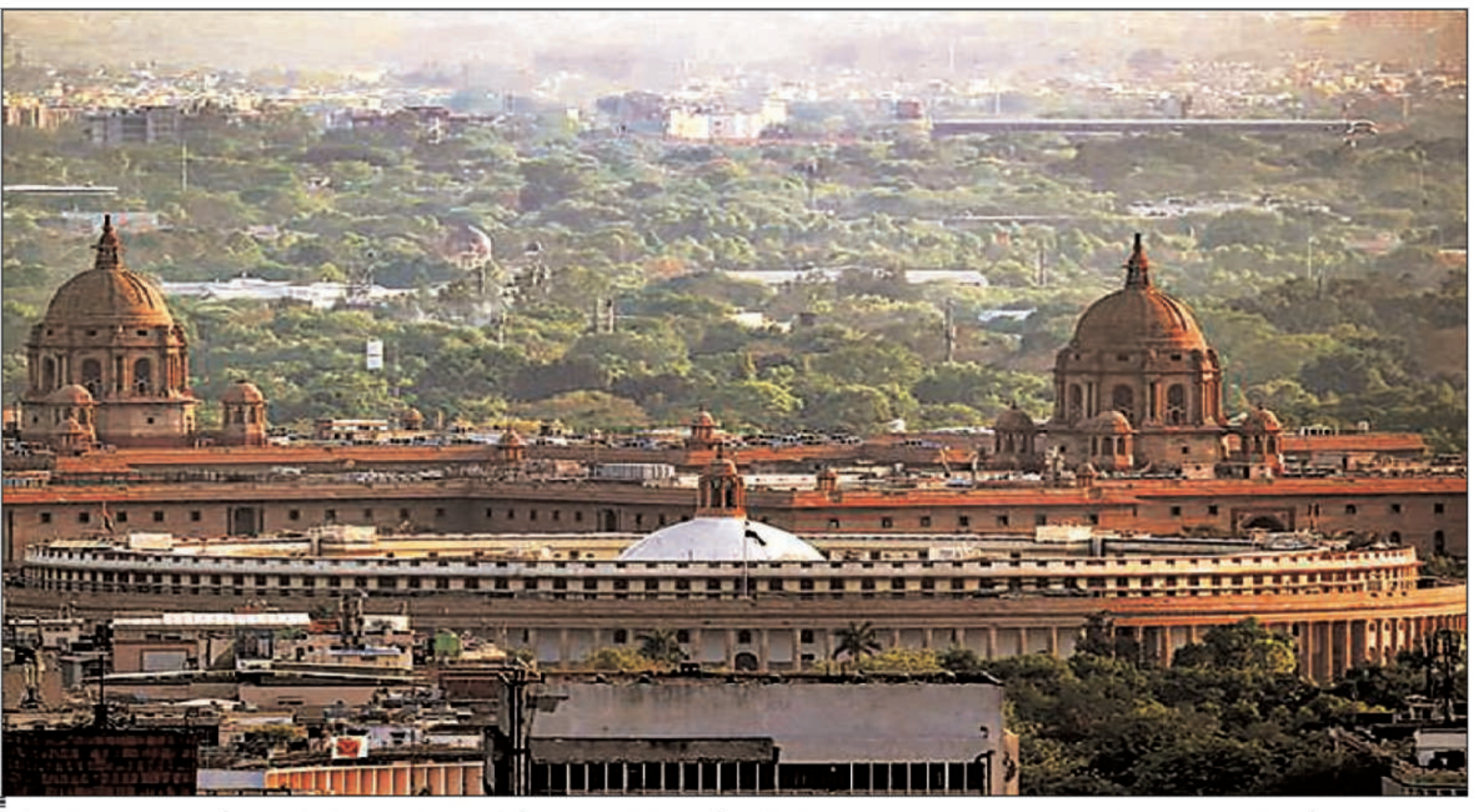

इस साल अप्रैल माह में पूरा देश कोविड-19 से जूझ रहा था। समूचे देश के लोग लॉकडाउन में घरों में नजरबंद थे। आर्थिकी को खींचने वाला हरेक पहिया थमा हुआ था। अर्थव्यवस्था को पटरी पर वापस कैसे लाना है इसके लिए कोई माकूल हल हाथ में नहीं हो, ऐसे हालात में भी पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ सलाहकार समिति आनन-फानन में 20000 करोड़ मूल्य वाली प्रस्तावित भव्य परियोजना को अनुमोदन देने के काम में जुटी हुई थी। वह है भारतीय संसद का प्रस्तावित नया भवन, नाम है सेंट्रल विस्टा। इस योजना के तहत एक नया केंद्रीय सचिवालय भी बनना है, जहां 70,000 केंद्र सरकार के कर्मचारी काम करेंगे। इस परिसर के अंदर प्रधानमंत्री के लिए एक आलीशान राजकीय घर-बनाम-दफ्तर होगा और उप राष्ट्रपति का आवास भी। यह अनुमोदन केवल अपने घरों में बैठकर अफसरों ने ऑनलाइन वार्ता के जरिए जल्दबाजी में दे डाला। इसमें विशेषज्ञ वास्तुकारों या और नगर नियोजकों की राय नदारद है, यह दशार्ता है कि सरकार ने इस परियोजना को कितनी ज्यादा तरजीह दे रखी है। यह ठीक है कि वक्त के साथ कुछ बदलाव किए जाने आवश्यक होते हैं, लेकिन सरकार का यह कदम असामयिक और उतावलापन है। वित्तीय मजबूरियों के अलावा अफसोस इस बात का है कि इस परियोजना के कारण देश का अपनी ऐतिहासिक धरोहर और यादें ताजा करने वाले भवन से लगातार राब्ता टूट जाएगा। ब्रिटिश संसद पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर भवन से अपना काम चलाती है, इसका निर्माण 150 साल पहले आसपास की कई पुरानी इमारतों के हिस्सों का समावेश करके किया गया था, जो 1834 में लगी भीषण आग से किसी तरह बच गई थीं। जर्मनी के बर्लिन शहर में द्यद राइकस्टाग बिल्डिंग द्य 1894 में बनी थी और 1990 में इसकी आंतरिक साज-सज्जा और मरम्मत दोबारा की गई थी। वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी संसद की कैपिटॉल बिल्डिंग वर्ष 1800 में बनी थी। यह पुराने जमाने के भवन अपने-अपने देशों के इतिहास के साक्षी हैं।

महज इमारत नहीं है वर्तमान संसद भवन

इसी तरह भारतीय संसद भवन भी एक इमारत भर नहीं है। यह एक देश की शख्सियत का प्रतिनिधित्व करती है। हालांकि इसका निर्माण औपनिवेशिक काल में हुआ था, लेकिन संसद भवन, जैसा कि वर्तमान में हम इस नाम से जानते हैं, इसमें सर्वश्रेष्ठ भारतीय वास्तुशिल्प और परंपरा का प्रतिबिंब साफ झलकता है। इसका प्रारूप, ढांचा, दीवारों पर उकरे शास्त्रों से लिए गए श्लोक और भित्तिचित्र सदियों रहे भारतवर्ष के बिम्ब को प्रस्तुत करती हैं। यह हमारी इमारत, हमारे इतिहास का अंतरंग हिस्सा होने के अलावा राष्ट्रीय चिन्ह और भारत का संविधान बनने एवं विधान संबंधी ऐतिहासिक पलों की जीती-जागती गवाह है।

संसद के लिए नये भवन का प्रस्तावित स्वरूप

ऐतिहासिक पलों का गवाह है केंद्रीय कक्ष

नेपथ्य में रायसीना हिल्स पर बने नॉर्थ एवं साउथ ब्लॉक के परिदृश्य से सज्जित संसद भवन की दृश्यावली देखने वाले की आंखों को सम्मोहित कर देती है, लेकिन अब इनको तजकर संग्रहालय का रूप दिया जाएगा। लोकसभा और राज्यसभा के लिए अत्याधुनिक भवन बनाने के पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि जब सांसदों की संख्या बढ़ जाती है तो यहां बने चैम्बरों की उपलब्धता कम हो जाती है, उनके लिए दफ्तर और सहायक स्टाफ के लिए कमरे भी कम पड़ जाते हैं। नए संसद परिसर की भव्य योजना की रूपरेखा के अनुसार आसपास के उन तमाम भवनों को गिराना है जो 1947 के बाद विभिन्न मंत्रालयों का काम चलाने के लिए बनाए गए थे। भले ही इन इमारतों को गिराने का काम आज की आधुनिक बारूदी तकनीक के जरिए चंद पलों में तमाम हो जाएगा लेकिन अति विशालकाय परिसर को बनाना और ठीक इसी दौरान अस्थायी दफ्तरों का इंतजाम करने के अलावा सभी रिकॉर्ड को स्थानांतरित करना कोई आसान काम नहीं होगा। आजादी से पहले, केंद्रीय संविधान सभा, राज्यों की समितियां और राज्यों के राजा तीन अलग-अलग उपभवनों में बैठकें किया करते थे, वर्तमान में इन प्रखंडों से क्रमशः लोकसभा, राज्यसभा और सांसदों के लिए वाचनालय का काम लिया जाता है। अर्धचंद्राकर और घोड़े की नाल की शक्ल में बने कक्षों से सटे अंदरूनी और बाहरी गलियारे बने हुए हैं। पहली मंजिल पर दर्शक दीघाएं हैं। संसद का केंद्रीय कक्ष वही ऐतिहासिक जगह है जहां भारत की संविधान सभा ने 9 दिसंबर 1946 को बैठक की थी, यह कक्ष देश के सबसे महत्वपूर्ण पलों यानी सत्ता हस्तांतरण और जवाहरलाल नेहरू के कालजयी भाषण द्यट्रिस्ट विद डेस्टनीद्य का भी गवाह है। संसद भवन की पहली मंजिल पर प्रक्रिमा करता गलियारा खंभों की श्रृंखला के साथ एक भव्य और सम्मोहित दृश्यावली प्रस्तुत करता है। ये खंभे संसद भवन की अन्य वास्तु विशेषताओं के साथ सुर-ताल मिलाते प्रतीत होते हैं और गोलाकार संसद भवन को वास्तुकला का श्रेष्ठ नमूना बनाने के अलावा एक अनूठा दिलफरेब आकर्षण पेश करते हैं।

बाद वाले सालों में कुछ आधुनिक और सुरुचिपूर्ण भवन जैसे कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, जवाहरलाल भवन और विज्ञान भवन बनाए गए थे, इसी तरह संसद भवन परिसर से लगी एक विस्तार इमारत यानी एनेक्सी भी जोड़ी गई थी। आधुनिक पुस्तकालय की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए एक अलग इमारत वर्ष 2006 में बनाई गई थी, जिसके अंदर एक सुरुचिपूर्ण सुसज्जित भोजन कक्ष, पठन कक्ष और संसदीय अध्ययन एवं प्रशिक्षण केंद्र है। संसद भवन परिसर के अतिरिक्त नयी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में आती अनेक इमारतें हैं जहां से कई मंत्रालय अपना काम चलाते रहे हैं। इन सब को एक बहुत विशाल परिसर में एक जगह पर इकट्ठा करना न केवल लगभग असंभव है, बल्कि मैं ऐसा न करने का सुझाव भी दूंगा।

... तो ढांचे में नहीं करना पड़ेगा फेरबदल

रही बात लोकसभा और राज्यसभा में भावी चैम्बरों की मांग की तो केंद्रीय कक्ष को लोकसभा चैम्बर में बदला जा सकता है और वर्तमान लोकसभा वाली जगह को राज्यसभा के लिए दिया जा सकता है। इससे ढांचे में फेरदबल भी कम-से-कम करना पड़ेगा। परिसर में जिस जगह महात्मा गांधी का बुत है उसके पीछे खाली पड़ी भूमि पर एक नया केंद्रीय कक्ष और सांसदों के चैम्बर बनाए जा सकते हैं। संसद के मुख्य भवन में कुछ मंत्रियों के लाउंज हैं और इनके अधीन आते कम-से-कम 70 कमरे खाली हो सकते हैं, क्योंकि सालभर में लगभग 280 दिन यह वैसे भी बंद ही रहते हैं। उपरोक्त सुझावों से बदलावों पर होने वाला खर्च नई परियोजना के लिए रखे गए 20000 करोड़ रू की तुलना में अंशमात्र ही होगा।

3 मूर्ति भवन और 7 रेसकोर्स

यह बात समझ से परे हैं कि नयी योजना में एक अन्य ढका-छिपा उद्देश्य भी है, प्रधानमंत्री के लिए शानदार घर-बनाम-दफ्तर का प्रावधान। भारत के पहले प्रधानमंत्री के तौर पर जवाहरलाल नेहरू तीन मूर्ति भवन में रहे थे लेकिन उनके बाद प्रधानमंत्री का कोई स्थायी आधिकारिक निवास स्थान नहीं रहा है। राजीव गांधी ने 7 रेसकोर्स रोड का बंगला चुना था जो आज तक प्रधानमंत्री की सरकारी रिहाइश बना हुआ है, अब इस सड़क का नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग कर दिया गया है।दरअसल इस निवास स्थान परिसर में पांच बंगले आते हैं, जिनमें दो प्रधानमंत्री के रहने के लिए हैं, तीसरे में मेहमान ठहराए जाते हैं, चौथा विशेष सुरक्षा दल के पास है तो पांचवा बतौर हैलीपैड इस्तेमाल होता है। इस सभी घरों को तरह बहुत शानदार नहीं कहा जा सकता है, हालांकि लुटियंस जोन के अन्य बंगलों की तरह इनकी चारदीवारी में बहुत खुली जगह और खूब संवारकर रखे गए विशाल लॉन हैं। बाद में प्रधानमंत्री आवास को विस्तार देते हुए दो कांफ्रेस हॉल और सफदरजंग हवाई अड्डे तक पहुंचती एक भूमिगत सुरंग जोड़ी गई है ताकि प्रधानमंत्री के काफिले से आम ट्रैफिक में विघ्न न पड़ने पाए। समय-समय पर की जाने वाली साज-सज्जा से प्रधानमंत्री आवास को पद की गरिमा के तकाजे के अनुसार नया रूप दिया जाता रहा है, बेशक यह बहुत ज्यादा शानो-शौकत वाला नहीं होता है। प्रधानमंत्री की बैठकों और मेहमान विदेशी राष्ट्राध्यक्षों के सम्मान में भोज के लिए भव्य हैदराबाद हाउस एकदम उपयुक्त स्थान है।

फिजूल खर्ची ही ज्यादा है

चाहे सेंट्रल विस्टा अपने आप कितनी भी शानदार और मनमोहक क्यों न बने, लेकिन 7, लोक कल्याण मार्ग को तजने की योजना बनाना और नए प्रधानमंत्री आवास पर गैरमामूली धन खर्चना, बिना सोच विचार किए फिजूल खर्च करने जैसा है। कुछ मामूली फेरबदल और साज-सज्जा के साथ समूचे साउथ ब्लॉक को बतौर प्रधानमंत्री कार्यालय बनाया जा सकता है और एक बार वित्त विभाग का नया कराधान भवन (रेवेन्यू बिल्डिंग) चालू होने के बाद नॉर्थ ब्लॉक में वक्त-वक्त पर किए सभी अस्थायी जुगाड़ों से मुक्ति मिल सकेगी और इस शानदार भवन को फिर से अपने मूल दिनों वाली अनछुई स्थिति में लौटाया जा सकेगा।

नये ढांचे की नहीं, दृढ़ संकल्प की जरूरत

शहरी मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने सेंट्रल विस्टा परियोजना की उपमा करते हेतुः द्यइसे नए भारत के मूल्यों एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधि बताया है यानी सुशासन, कार्य-क्षमता, पारदर्शिता, जिम्मेदारी एवं समता का बिम्ब और यह गुण भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक वातावरण के मूल में रहे हैं। तुर्रा यह कि इस बार नये भारत की भावना को परिभाषित करने और इसको नये भव्य भवन के रूप में मूर्त आकार देने का काम सरकार ने अधिकारियों के जिम्मे छोड़ दिया है! उपरोक्त अधिकारी ने भले ही सारगर्भित तरीके से उक्त विचार को प्रस्तुत किया है, यह बात भली-भांति जानते हुए कि उक्त आदर्श लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिपादन के लिए देश को नये ईंट-पत्थर के ढांचे का इंतजार करने की जरूरत नहीं है, बस चाहिए तो दृढ़ संकल्प वाले लोग जिन्हें सरकार ने काम करने की पर्याप्त शक्ति दे रखी है।

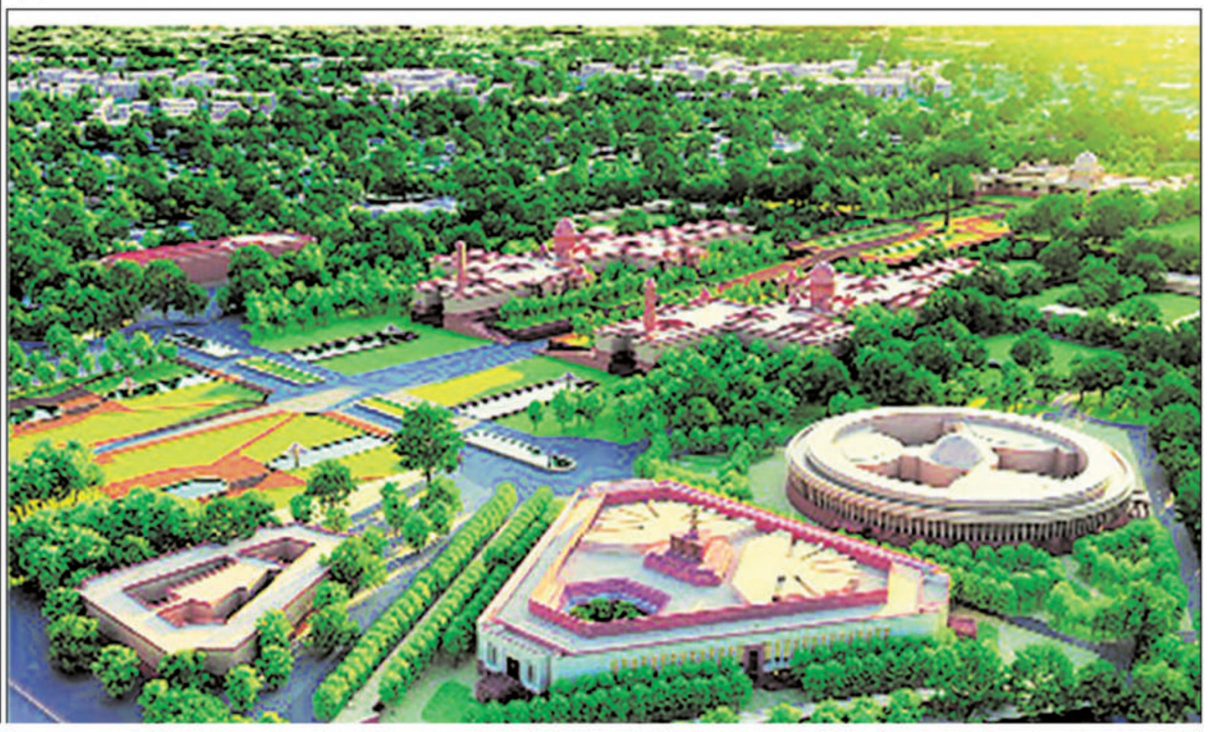

बगिया महकेगी...लहकेगी... कलियां झूमेंगी...फूलेंगी

इस पौधे पर शाम को फूल खिलते हैं जो सुबह धूप निकलने से पहले तक खिले रहते हैं। रात को ये अपनी सुगंध बिखेरते हैं। इसकी कटिंग जुलाई से अक्तूबर तक लगाई जा सकती है और फूल दिसंबर-फरवरी को छोड़कर लगभग पूरे साल खिलते हैं।

घर को महकाते फूल किसे अच्छे नहीं लगते। अगर आप इनके पौधे लगाना चाहते हैं, तो आजकल चल रहा बरसात का मौसम सबसे अच्छा है। फूलों के ऐसे कई पौधे हैं जिन्हें कटिंग से आसानी से लगाया जा सकता है। बारिश के पानी में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जिनसे न केवल पौधे लग जाते हैं बल्कि उनकी बढ़त भी अच्छी होती है। कटिंग से लगाए पौधे बहुत कम खर्च में तैयार कर सकते हैं और अपनी बगिया महका सकते हैं।

रातरानी

इस पौधे पर शाम को फूल खिलते हैं जो सुबह धूप निकलने से पहले तक खिले रहते हैं। रात को ये अपनी सुगंध बिखेरते हैं। इसकी कटिंग जुलाई से अक्तूबर तक लगाई जा सकती है और फूल दिसंबर-फरवरी को छोड़कर लगभग पूरे साल खिलते हैं।

मोगरा

अप्रैल से दिसंबर महीने तक आने वाले और भीनी-भीनी खुशबू बिखेरने वाले सफेद रंग के मोगरा फूलों का पौधा इनमें से एक है। मोगरा को जुलाई-अगस्त में कटिंग से उगाया जा सकता है। इसकी एक साल पुरानी शाखा की 4-5 इंच लंबी कटिंग बनाकर लगाई जा सकती है। जिसमें से 15-20 दिन में छोटी-छोटी शाखाएं निकलना शुरू हो जाती हैं।

कामिनी

एक और सुगंधित फूलों वाला पौधा है। इसमें गुच्छों में फूल आते हैं। इसकी मोटी कटिंग जुलाई-अगस्त में लगाई जाती है और 20-25 दिनों में इसका पौधा लग जाता है।

गुलदाउदी

सर्दियों में कई रंगों के गुलदाउदी फूल भी कटिंग से लगाए जा सकते हैं। जुलाई-अगस्त महीने में इसकी कटिंग लगाई जाती है। नवंबर से मार्च के महीने तक इसके फूल खिलते हैं।

कनेर

लाल, पीले या सफेद रंग के कनेर फूलों के पौधें भी कटिंग से लगाए जा सकते हैं। आजकल इसके हाइब्रिड वैराइटी के कनेर भी नर्सरी में मिलते हैं। इन पर गुच्छों में फूल आते हैं। जुलाई-अगस्त में कटिंग लगाई जाती है। इसे बहुत कम पानी और देखरेख की जरूरत होती है।

बोगनविलिया

कटिंग से बड़ी आसानी से उगने वाला पौधा है। इसे बहुत कम देखरेख और कम पानी की जरूरत होती है। इसकी मोटी कटिंग बरसात ही

नहीं,गर्मियों में भी उगाई जा सकती है।

गुड़हल

तकरीबन पूरे साल खिलने वाले गुड़हल के फूल का पौधा भी कटिंग से लगाया जा सकता है। ये फूल कई रंगों के होते हैं जिनमें चटक लाल रंग बहुत सुंदर लगते हैं। गमले या जमीन पर इसकी कटिंग जुलाई से अक्तूबर में लगाई जा सकती है।

मधुमालती

इसकी बेल घर के दरवाजे या दीवार के सहारे ज्यादातर जमीन में लगाई जाती है। इसकी देखरेख करने की ज्यादा जरूरत नही होती। बड़ी संख्या में फूल आते हैं।

चमेली

बगिया को महकाने वाला चमेली फूल का पौधा गमले में भी उगाया जा सकता है। बेल की तरह बढ़ने वाला चमेली की टहनियां कमजोर होती हैं। जल्दी टूटने के कारण इसकी कटिंग थोड़ी मोटी लगानी चाहिए। चमेली के फूल जून से दिसंबर तक आते हैं।

रखें सावधानी

कटिंग उगाने के लिए मिट्टी उर्वरक होनी जरूरी है। इसका रेशियो बगीचे की मिट्टी 60 प्रतिशत, गोबर या कम्पोस्ट खाद 30 प्रतिशत और रेतीली मिट्टी 10 प्रतिशत होना चाहिए मिट्टी में एंटी बैक्टीरियल दवा जरूर मिलाएं ताकि कटिंग सड़ने न पाए।

ध्यान रखें कि कटिंग वाले पौधे के गमले या जमीन में बारिश का ज्यादा पानी इकट्ठा न हो। इससे कटिंग खराब हो सकती है। पानी निकालते रहें। जमीन में इसके लिए छोटी नाली बनाएं। संभव हो तो कटिंग पहले छोटे ग्रो बैग में उगाएं ताकि लगातार बारिश आने पर उसे सुरक्षित जगह ला सकें।

पौधे को कटिंग से उगाने के लिए उस पौधे की कम से कम एक साल पुरानी मोटी शाखा लें।

कटिंग 2-5 इंच लंबी ही बनाएं। इससे ज्यादा होने पर इसके हिलने की संभावना रहती है।उगाते समय कटिंग का आधा भाग मिट्टी के अंदर होना चाहिए।

कटिंग गमले में लगाने के एक सप्ताह तक छाया में रखें। जमीन पर लगाई कंटिंग के ऊपर शेड बना दें ताकि धूप में सूखनेन पाए।

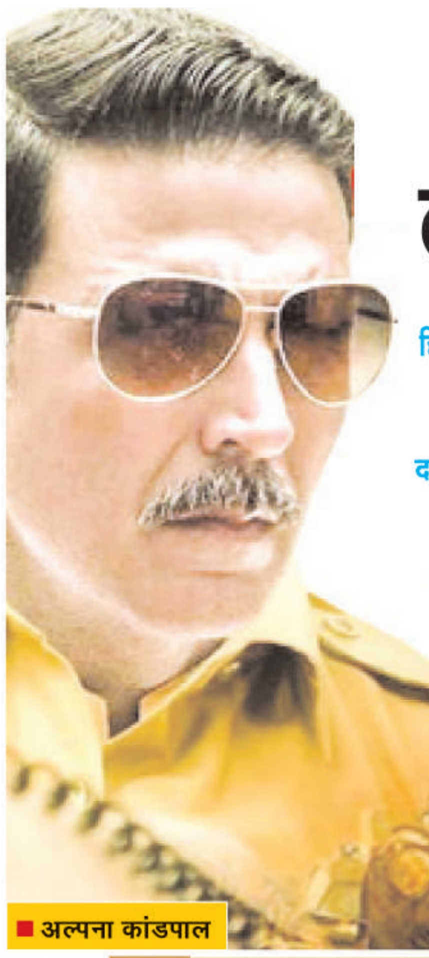

दिवाली पर सितारों का बॉक्स ऑफिस जलवा

हिंदी फिल्मों में दिवाली को कभी बहुत महत्व नहीं दिया गया। बॉलीवुड के लिए, बॉक्स ऑफिस पर दिवाली की महत्ता भी १९९० के दशक से ही दिखाई दी। हालांकि, इस दशक के शुरू के दो सालों १९९० और १९९१ में प्रदर्शित अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित और हेमा मालिनी की फिल्म जमाई राजा, जितेन्द्र की फिल्म अग्निकाल तथा १९९१ में प्रदर्शित अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ और मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म अकेला और ऋषि कपूर और श्रीदेवी की फिल्म बंजारन बुरी तरह से असफल हुई थी।

■ अल्पना कांडपाल

सूर्यवंशी अक्षय कुमार

इस साल दिवाली पर अक्षय कुमार और सुपरहीरो परदे पर छाए होंगे। अक्षय कुमार की एक्शन फिल्म सूर्यवंशी 5 नवंबर को प्रदर्शित हो रही है। इसी दिन हॉलीवुड की मार्वल सिनेमेटिक यूनिवर्स के नए सुपरहीरो वाली फिल्म एटरनल्स भी प्रदर्शित हो रही है। परदे पर यह मुकाबला दिलचस्प होगा। इस मुकाबले में कौन फिल्म विजेता साबित होती है, यह भविष्य की बात हैं। लेकिन अक्षय कुमार अपनी कॉप एक्शन फिल्म को हिट कराना चाहेंगे। क्योंकि वह जानते हैं कि दिवाली उनकी फिल्म पर चांदी बरसा सकता है। बॉलीवुड के लिए दिवाली चांदी सोना बरसाने वाली रही है। अक्षय कुमार भी इस बारिश से भीग चुके हैं।

किसकी कितनी फिल्में- दिवाली साप्ताहांत में जिन एक्टरों की फिल्में प्रदर्शित हुई, उनके शाहरुख खान की 11, अजय देवगन की 10, अक्षय कुमार की 8, अजय देवगन की, आमिर खान की 4 तथा ऋतिक रोशन और रणबीर कपूर की 2-2 फिल्में दिवाली पर प्रदर्शित हुई थी। इनमें आमिर खान की तीन फिल्में तथा शाहरुख खान की दो फिल्में एकल फिल्म के रूप में प्रदर्शित हुई। ऋतिक रोशन और सलमान खान की एक एक फिल्म सोलो रिलीज थी। बाकी किसी दूसरे एक्टर की फिल्में एकल प्रदर्शित नहीं हो सकी। इसके बावजूद आमिर खान ने ठग्स ऑफ हिंदुस्तान जैसी बर्बादी लाने वाले फिल्म दी। सफलता के लिहाज से शाहरुख खान की 11 फिल्में, अजय देवगन की 6 फिल्में, अक्षय कुमार की 3 तथा सलमान खान की 2 फिल्में हिट हुई। आमिर खान की भी 3 फिल्में हिट हुई। रणबीर कपूर को 2 तथा ऋतिक रोशन की 1 फिल्म हिट हुई। एक दिलचस्प तथ्य यह भी कि ब्लॉकबस्टर फिल्म के लिहाज से केवल शाहरुख खान ही दिवाली वीकेंड पर ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले सितारे हैं। शेष किसी अभिनेता की कोई भी फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित नहीं हुई है।

सबसे अधिक दर्शक- दिवाली साप्ताहांत पर सबसे अधिक दर्शक आकर्षित कर सकें वाली फिल्म के लिहाज से शाहरुख खान शीर्ष पर है। उनकी काजोल के साथ फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे ने 4.80 करोड़ दर्शक बटोरे। दूसरे स्थान पर 4.09 करोड़ दर्शकों के साथ राजा हिन्दुस्तानी के आमिर खान रहे। इसके बाद शाहरुख खान की कुछ कुछ होता है (3.57 करोड़) और दिल तो पागल है (2.95 करोड़) तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। सलमान खान कि फिल्म हम साथ साथ है ने 2.58 करोड़, शाहरुख खान की मोहब्बतें ने 2.67 करोड़, ऋतिक रोशन की कृष 3 ने 2.18 करोड़, शाहरुख खान की ओम शांति ओम ने 1.87 करोड़, शाहरुख खान की बाजीगर ने 1.80 करोड़, अजय देवगन की फिल्म गोलमाल 3 ने 1.77 करोड़, शाहरुख खान की हैप्पी न्यू इयर ने 2.09 करोड़, सनी देओल की फिल्म घातक ने 1.58 करोड़ और शाहरुख खान की फिल्म वीर जारा ने 1.34 करोड़ दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच लाने में सफलता हासिल की।

अक्षय की आठ फिल्में- अक्षय कुमार की आठ फिल्में सुहाग, सपूत, ऐतराज, गरम मसाला, जानेमन, ब्लू, एक्शन रीप्ले और हॉउसफुल 4 दिवाली वीकेंड पर प्रदर्शित हुई। इनमें से जानेमन, ब्लू और एक्शन रीप्ले बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। हाउसफुल 4, गरम मसाला, ऐतराज और सुहाग को बड़ी सफलता मिली। इसीलिए अक्षय कुमार को आशा है कि उनकी पिछले साल दिवाली में रिलीज की जाने वाली फिल्म सूर्यवंशी इस साल दिवाली में प्रदर्शित होकर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएगी। फिल्म में उनके साथ कैटरीना कैफ के अलावा अजय देवगन और रणवीर सिंह अपने कोप किरदारों के कैमिया के साथ दे रहे हैं। ■

बॉलीवुड

क्या शिव बने अक्षय कुमार

अक्षय कुमार ने उज्जैन में शूट हो रही, अपनी फिल्म ओएमजी 2: ओह माय गॉड 2 के दो पोस्टर जारी करते हुए लिखा कर्ता करे न कर सके शिव करे सो होय ओएमजी 2 के लिए आपकी दुआए चाहिए। क्योंकि, यह महत्वपूर्ण सामाजिक समस्या दिखाने का हमारा ईमानदार और विनम्र प्रयास है। हमें इस यात्रा में आदियोगी की ऊर्जा और आशीर्वाद मिले। हर हर महादेव। इस टिप्पणी के साथ अक्षय कुमार ने दो चित्र भी पोस्ट किए, जिनमें से एक में अक्षय कुमार शिव सदृश्य नील वर्ण में दिखाई देते हैं। इसके साथ ही विवाद की शुरुआत हो जाती है। इसकी शूटिंग उज्जैन के महाकाल मंदिर में हो रही है। ऐसा पहली बार होगा। ओएमजी ओह माय गॉड में हिन्दुओं को रीति रिवाजों और विश्वास को पाखण्ड के रूप में दिखाया गया था। इसलिए कहा जा रहा है कि मध्य प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री के साथ अक्षय कुमार की निकटता से सहम कर उनसे फिल्म की स्क्रिप्ट की मांग नहीं की। आशंका जताई जा रही है कि अक्षय कुमार फिल्म में महाकाल को मजाक के रूप में दिखा सकते हैं।

श्रेष्ठ निर्देशक के साथ प्रभास

एसएस राजामौली के निर्देशन में बाहुबली सीरीज से हिंदी दर्शकों में आने पहचान बनाने वाले तेलुगु फिल्म अभिनेता प्रभास की इस समय अधिकतर फिल्में अखिल भारतीय प्रारूप में हिंदी में भी प्रदर्शित होंगी। वह देश के श्रेष्ट निर्देशकों के साथ फिल्में कर रहे हैं। उनकी अगले साल प्रदर्शित होने जा रही फिल्म राधे श्याम के निर्देशक राधा कृष्ण कुमार की पहली फिल्म जिल बड़ी हिट हुई थी। सालार के निर्देशक प्रशांत नील की निर्देशकीय प्रतिभा का लोहा फिल्म केजीएफ चैप्टर 1 के दर्शक मानते हैं। ओम राउत ने अजय देवगन के साथ सुपरहिट फिल्म तानाजी द अनसंग वारियर का निर्देशन किया था। वह प्रभास को राम की भूमिका में लेकर आदिपुरुष का निर्माण कर रहे हैं। प्रशांत नील, प्रभास की एक अन्य फिल्म का निर्देशन भी कर सकते हैं। प्रभास, हिट कबीर सिंह के निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा के साथ फिल्म स्पिरिट कर रहे हैं। 66वे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में श्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीतने वाली फिल्म महानटी के निर्देशक नाग आश्विन के प्रोजेक्ट के के नायक भी प्रभास ही होंगे।

अमला ने चुंबन के लिए मांगे ज्यादा पैसे

अमला पॉल, तेलुगु और तमिल फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। वह अपनी सेक्सी भूमिकाओं के कारण हमेशा से चर्चित होती रही हैं और विवादित भी। वह आज कल भी विवादित हो रही हैं। नागार्जुन तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार अभिनेता हैं। हर अभिनेत्री खुद को स्थापित करने के लिए नागार्जुन की फिल्में करना चाहती हैं। मगर काजल अग्रवाल ने निजी कारणों से नागार्जुन फिल्म द घोस्ट की शूटिंग शुरू नहीं की। इस पर निर्देशक प्रवीण सत्तरू ने अमला पॉल को ले लिया। पिछले कुछ समय से सुर्खियों से गायब अमला को यह मौका बढ़िया लगा। पेंच फंसा चुंबन को लेकर। फिल्म के फ्लैश बैक में अमला को नागार्जुन के साथ चुंबन दृश्य करना था। 29 साल की अमला ने 62 साल के नागार्जुन का चुंबन लेने की ऐवज में ज्यादा पैसों की मांग कर दी। बताते हैं कि नागार्जुन और अमला पॉल के बीच चुम्बन दृश्य बढ़िया तरह से लिया गया।

ऑस्कर के लिए रिजेक्ट हुई सरदार उधम

इस साल के ऑस्कर पुरस्कारों में भारत की पविष्टि के रूप में जो 10 फिल्में फेडरेशन ऑफ इंडिया को भेजी गई थी, इनमें विक्की कौशल की पीरियड फिल्म सरदार उधम भी थी। यह फिल्म जलियांवाला बाग में प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश देने वाले तत्कालीन अंग्रेज गवर्नर माइकल ओ डायर को लन्दन में गोली मारने वाले क्रांतिकारी उधम सिंह के जीवन पर है। इस फिल्म को देश विदेश में सराहा जा रहा है। परन्तु भारत में फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इस फिल्म कोई ऑस्कर के योग्य नहीं पाया। इस अयोग्यता के फेडरेशन ने दिलचस्प कारण दिए हैं। फेडरेशन ने बयान जारी कर कहा कि यह फिल्म अनजाने क्रांतिकारी पर फिल्म का ईमानदार प्रयास है। परन्तु, ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में फिल्म को ऑस्कर के लिए भेजा जाना उपयुक्त नहीं होगा। क्योंकि, यह फिल्म ब्रिटश के प्रति नफरत का चित्रण करने वाली है।

मिनाक्षी सुन्देरेश्वर नेटफ्लिक्स पर

डिजिटल प्लेटफार्म पर नई फिल्मों के स्ट्रीम होने का सिलसिला चालू है। इस कड़ी में निर्देशक विवेक सोनी की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म मीनाक्षी सुन्दरेश्वर भी शामिल हो गई है। करण जोहर के धर्माटिक एंटरटेनमेंट की यह फिल्म नेटफ्लिक्स ओरिजिनल के अंतर्गत बनाई गई है। नवविवाहित जोड़े को अपनी अपनी नौकरी की मजबूरियों के कारण दूर होना पड़ता है। इस दूरी के समय इस जोड़े को किन समस्याओं, हास्यास्पद परिस्थितियों और संवेदनाओं से गुजरना पड़ता है, इसका चित्रण इस फिल्म में किया गया है। फिल्म में मिनाक्षी की भूमिका सान्या मल्होत्रा और सुरंदेश्वर की भूमिका अभिमन्यु दासानी ने की है। यह फिल्म 5 नवम्बर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने लगेगी।

■ अ. कां.

कलाकार कैसे मनाते हैं दिवाली

मिथिल जैन

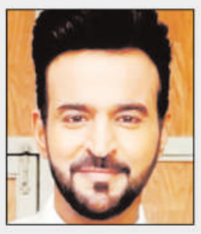

मेरे लिए दिवाली अपने परिवार वालों, दोस्तों एवं रिश्तेदारों के और करीब आने एवं उनके साथ आनंददायक पल बिताने का बेहतरीन मौका है। त्योहारों में, हमें चार-पांच दिन मिल जाते हैं और परिवार के साथ फेस्टिवल का भरपूर मजा लेते हैं। मेरे लिए वह दिवाली सबसे अच्छी थी, जब मैं सिंगापुर गया था। दिवाली पर जो चीज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, वह है खाना। घूगरा दिवाली का मेरा सबसे पसंदीदा पकवान है और मैं श्रीखंड, जलेबी, फाफड़ा बड़े शौक से खाता हूं।

आशय मिश्रा

दिवाली का मतलब है परिवार का साथ होना और त्योहार को पूरे जोर-शोर से मनाना। मेरा परिवार हर साल छोटा फंक्शन रखता है, जिसमें हर कोई अपनी इच्छा से परफॉर्म करता है, उन यादों को संजोने के लिए हम कई फोटोज लेते हैं मजा उठते हैं। दिवाली की रात हम गेम्स से लेकर डांस परफॉर्मेंस से लेकर बोर्ड गेम्स करते हैं और पूरी रात का आनंद लेते हैं। मैंने शराबी का एक्ट किया था। मां के हाथों की बनी सारी मिठाइयां और स्वादिष्ट लड्डू खाना पसंद है।

सुमीत राघवन

मेरे लिए हर दिवाली मीठी याद होती है, मुझे बचपन से ही अपने दोस्तों और परिवार के साथ त्योहार मनाना पसंद है। हमारी सोसायटी में दिवाली पाठ होता है। सुबह शास्त्रीय संगीत का आयोजन किया जाता है लोग पारंपरिक कपड़े पहनते हैं। इस साल मेरे पिता का निधन हुआ है। हम ताश खेलेंगे। दिवाली ताश पार्टी करने की है।

भाविका शर्मा

अपने बड़े परिवार के साथ लक्ष्मी पूजा में शामिल होना और भरपूर मजा लेना। दिवाली में सभी का एकजुट होना सबसे अच्छी बात हैं। मुझे कभी ताश पार्टी करने का मौका नहीं मिला लेकिन एक बार मैंने ताश पार्टी देखी और वह खेलना सीखा।

सायंतनी घोष

मैं बंगाली हूं, दिवाली का मेरे लिए मतलब काली पूजा से है। हम अमावस्या की रात देवी काली को पुष्पांजलि देते हैं। मां काली का मतलब शक्ति स्वरूपा है। रोशनी के इस त्योहार का मतलब दिए जलाने, ताश खेलने और दोस्तों तथा परिवार के लोगों से मिलने से है। जब कोलकाता में थी मैं अपने पिता के साथ मेले में जाती थी। मैं दिवाली को अनुराग और उनके परिवार के साथ मनाने के लिए जयपुर जाऊंगी।

आदित्य देशमुख

मेरा मानना है कि दिवाली सकारात्मकता, रोशनी, खुशी और समृद्धि का त्योहार है और मुझे अपने लोगों के साथ यह त्योहार मनाना पसंद है। जब मैं छोटा था, तब स्कूल से 21 दिनों की छुट्टी मिलती थी। मुझे वह खूबसूरत लाइटिंग बहुत पसंद है, जो हमारी सोसायटी को सुंदर बना देती है और वे दिए, जो लोग अपनी छत पर जलाते है।

■ विमला

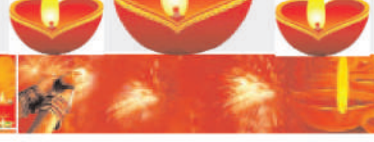

टीवी

राजकुमार राव ने बताया संघर्ष

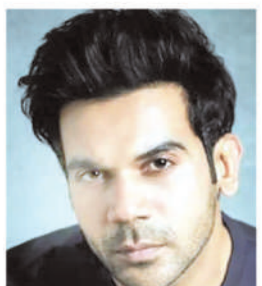

द कपिल शर्मा शो में राजकुमार राव और कृति सैनन मेहमान बनकर पहुंचें, दोनों अपनी नई फिल्म हम दो हमारे दो को प्रमोट करेंगे और होस्ट कपिल शर्मा के साथ खूब मस्ती मजाक करेंगे। राजकुमार अपनी लव लाइफ के बारे में भी बताएंगे और अपनी लंबे समय की पार्टनर से मिलने के संघर्ष की कहानी सुनाएंगे, कपिल शर्मा ने बताया कि राव की फिल्मों में अक्सर उनका किरदार लड़की के लिए या लड़की को पाने के लिए संघर्ष करता नजर आता है। राजकुमार ने कहा, ज्यादा नहीं थोड़ा संघर्ष करना पड़ा था। हम लोग साथ में कहीं गए थे और उनको ऐसा लगा कि मैं उन्होंने मेरी पहली फिल्म देखी थी एलएसडी, लव सेक्स और धोखा तो उनको ऐसा लगा कि ये ऐसा ही नीच आदमी है। राजकुमार राव ने कहा, जैसे आप अगर कहीं बाहर जाओ, तो लोगों के मन में यह रहता है ना कि यार कपिल ना हंसाते ही रहता होगा चौबीस घंटे। उनको लगा कि ऐसा ही लड़का होगा, जैसे फिल्म में उन्होंने काम किया है। तो वो मुझसे बात नहीं कर रही थी, बातचीत शुरू हुई, हाय हेलो हुआ, फिर मुझे लगा यार यह तो करेक्ट है। मैंने भी बहुत पहले उनकी ऐड देखी थी और तब ऐड देखकर मुझे लगा था कि यह कितनी प्यारी लड़की है और इससे तो शादी करनी चाहिए। हां ये ख्याल आया था और 2-3 दिन महीने बाद जब वो मिली तो उन्होंने बताया, मैं उस ऐड में थी। तो मेरे लिए वो वायलिन वगैरह सब बज गया था तब। बेशक मैंने थोड़ा संघर्ष तो किया था।

तेरा यार हूं मैं के पूरे हुए 300 एपिसोड्स

सोनी सब के शो तेरा यार हूं मैं ने 300 एपिसोड्स पूरा कर लिया। उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए सेट पर केक काटा और बधाई दी। इसमें प्रियाल गौर, राजेन्द्र चावला, जया ओझा, निहारिका रॉय, अंश सिन्हा, विराज कपूर और एकाग्र द्विवेदी की भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। सुदीप साहिर ने कहा, अपने शो को अच्छा प्रदर्शन करते और अपने किरदार को प्यार मिलता देखने पर हमेशा गर्व होता है। हम सब और भी बड़ा जश्न मनाएं। सायंतनी घोष ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और बहुत रोमांचित हूं मेरे पास अपनी खुशी को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं।

डांस सीजन 6

स्टार प्लस ने डांस सीजन 6 पहला नॉन-फिक्शन शो है। यह सीजन कठिन और अधिक चुनौतीपूर्ण होने का वादा करता है। शो में तीन कप्तानों के नेतृत्व में तीन टीमें शामिल हैं, सलमान युसूफ खान पहली बार मेंटर बने हैं, उनके साथ शक्ति मोहन और पुनीत जे पाठक भी हैं। बॉलीवुड के जाने-माने कोरियोग्राफर और निर्देशक रेमो डिसूजा सुपर जज के रूप में दिखाई देंगे। चार्मिंग राघव जुयाल शो के होस्ट हैं।

पैनोरामा और विद्युत जामवाल आए साथ

खुदा हाफिज और खुदा हाफीज चैप्टर अग्नि परीक्षा के बाद पैनोरामा स्टूडियोज और विद्युत जामवाल तीसरी बार साथ आने के लिए तैयार हैं। खुदा हाफीज चैप्टर की शूटिंग अभी भी जारी है। इस अनटाइटल्ड फिल्म को क्रिएट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई गई है। विद्युत जामवाल कहते हैं, एक जैसी विचारधारा रखने वाले लोगों के साथ काम करने में मजा आता है। दर्शक आश्चर्यचकित होने के लिए तैयार रहें।

तूफान का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

जी सिनेमा आज दोपहर १२ बजे फिल्म 'तूफान' के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ तैयार है। फरहान अख्तर है बेधड़क। राकेश ओमप्रकाश मेहरा की 'तूफान' स्पोर्ट्स ड्रामा है। ये परेश रावल कहते हैं, ये तेरा बॉक्सिंग का रिंग नहीं है, ये तेरा घर है। खून पसीना एक करके तूने अपना घर बनाया है... संभाल उसको। परेश रावल, मृणाल ठाकुर, दर्शन कुमार और सुप्रिया पाठक है।

हरी मिर्च, लाल मिर्च का तड़का : कशिश दुग्गल

दिल्ली में जन्मी और पली बढ़ी कशिश दुग्गल ने विषकन्या एक अनोखी प्रेम कहानी, हैलो प्रतिभा, मुंहबोली शादी, बाल गोपाल करे धमाल सहित 100 से अधिक टीवी सीरीज और विश्वास, विद्रोह और आखिरी दस्तक जैसी फिल्मों में काम किया है। हरी मिर्च लाल मिर्च एक तीखी एक करारी में, वो पुष्पी और ज्वाला की भूमिकाएं निभा रही हैं कशिश चर्चा कर रही हैं-

हरी मिर्च लाल मिर्च- ड्रामेडी (नाटक और कॉमेडी) है, आजाद पर अपनी शैली में पहला है। ये तड़के के साथ सास बहू की कहानी है। इसके लिए ऑडिशन दिया था। मैंने खुद से ही रिहर्सल की और शो साइन किया। मेरा सफर अपने आप में कहानी है।

पुष्पी का किरदार- पुष्पी बहुत प्यारी मां, प्यारी पत्नी और आर्दश बहू हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से पुष्पी से जुड़ती हूं। उनका परिवार उनकी दुनिया है, ठीक उसी तरह, जिस तरह कशिश के लिए है। सबसे बड़ी चुनौती है दोहरी जिंदगी, जो एसीपी ज्वाला और पुष्पी के रूप पुष्पी जीती है। वे दोनों एक महिला के दो बिल्कुल विपरीत व्यक्तित्व हैं।

टीवी इंडस्ट्री में बदलाव- टेक्नोलॉजी हर दिन बदल रही है और इसलिए इंडस्ट्री भी बदल रही है। हर स्थिति और हर बदलाव के फायदे और नुकसान हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और चैनलों पर ज्यादा गुंजाइश है। यह प्रतिभाओं को मौका देता है। कास्टिंग अब सोशल प्लेटफॉर्म्स पर किसी के फॉलोअर्स की संख्या पर निर्भर करती है, जो निराशाजनक है।

■ माया

मुस्कान ने किया इम्प्रेस

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर में कंटेस्टेंट्स डांस का जौहर दिखा रहे हैं मध्यप्रदेश के भोपाल से आई मुस्कान सिंह, मोह मोह के धागे गाने पर क्लासिकल डांस परफॉर्म करती। मुस्कान ने जवाब दिया, मेरे पिता रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर हैं, वो हमेशा मुझे सुबह 4 बजे उठा देते हैं, यहां तक कि रविवार को भी वो सुबह 4 बजे उठकर अपने साथ एक्सरसाइज करने को कहते हैं। मेरे पिता हमेशा स्कूलों में मेरी स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान मौजूद रहे हैं। वो मेरे लकी चार्म हैं। ऐसा एक दिन भी नहीं गया, जब मेरे पिता ने मेरा सपोर्ट ना किया हो।

रणवीर सिंह की मोहौक वाली पुरानी तस्वीर

अपने तड़कते-भड़कते फैशन के लिए मशहूर, बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह बचपन से ही स्टालिश रहे हैं। बचपन में लाल रंग के हूडी वाले वनसी से लेकर मोहौक हेयरडू तक उन्होंने सब किया है। कलर्स के द बिग पिक्चर के दिवाली वीकेंड स्पेशल पर इस होस्ट ने अपने इस कूल मोहौक हेयरस्टाइल के सच का खुलासा किया। उन्होंने माना कि उनका यह हेयरस्टाइल जाने-माने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ स्टार तातंका से प्रेरित था। रणवीर ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ को लेकर अपनी मोहब्बत के बारे में बताया कि कैसे वह बचपन में तातंका के बहुत बड़े फैन थे और इस हेयरडू के पीछे, सबसे बड़ी वजह खुद तातंका थे। खैर, उनकी इस पुरानी तस्वीर के पीछे का रहस्य तो सुलझ चुका है। रोहित शेट्टी और कैटरीना कैफ रोमांचक पलों का आनंद लेने वाले हैं।

'83' थिएटर को स्टेडियम में बदलेगी : ताहिर

वर्सेटाइल एक्टर ताहिर राज भसीन फिल्म '83' की रिलीज की तारीख तय हो गई है। कबीर खान के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में सुपरस्टार रणवीर सिंह मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी रिलीज की तारीख 24 दिसंबर तय की गई है। भारतीय बल्लेबाज, सुनील गावस्कर की भूमिका निभाने वाले ताहिर कहते हैं, यह फिल्म थिएटर को क्रिकेट स्टेडियम में बदल देगी। जिस तरह हम स्टेडियम में भारत की जीत के लिए प्रार्थना और दुआएं करते हैं, वैसा ही माहौल थियेटर्स में भी नजर आएगा।

सुमित भारद्वाज की वापसी

कलर्स के ससुराल सिमर का 2 में ट्विस्ट आने वाला है। सुमित जुनूनी म्यूजिक कम्पोजर समर खन्ना की भूमिका निभाएंगे। सुमित भारद्वाज ने कहा, क्वारंटीन के कारण आई नीरसता के बाद मैं कुछ अच्छा करना चाहता था। काम पर लौटने का इंतजार नहीं कर पा रहा था तो मैंने यह मस्ती-पसंद और उत्साह से भरा किरदार चुना। मैं अपने बेहतर वर्जन की खोज करूंगा। किरदार बहुत रिलेटेबल है और मैं उसके साथ न्याय करूंगा।

गोरखपुर में गर्जना: प्रियंका गांधी ने दिखाए तेवर, अमित शाह पर निशाना साधकर बोलीं- दूरबीन नहीं, चश्मा लगाइए

गोरखपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी रविवार को गोरखपुर पहुंच गई। यहां चंपा देवी पार्क से गोरखपुर-बस्ती मंडल की 41 सीटों को एक साथ साध रही हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी कहते हैं कि अब यूपी में अपराधियों को ढूंढ़ना पड़ता है तो दूरबीन की जरुरत होती है। लेकिन उनके साथ मंच पर अजय मिश्रा टेनी बैठे थे। मैं कहती हूं कि दूरबीन छोड़िये और चश्मा लगाइये। यह सरकार जनता के खिलाफ आग उगल रही है। लोगों को मदद की जगह अत्याचार हो कर रही है। मैं कुछ महीने पहले प्रयागराज बसवार गांव गई, वहां पुलिस ने निषादों की नाव को जला दिया था। नदी पर किसी का अधिकार है तो वो निषादों का है। आज किसान प्रताड़ित है त्रस्त है, सरकार उनकी बिल्कुल नहीं सुनी जा रही है। प्रियंका ने कहा कि योगी आदित्यनाथ का शासन गुरु गोरखनाथ जी के विचारों से बिल्कुल अलग चल रहा है। जहां लोग संघर्ष कर रहे हैं और जहां मदद की जरुरत है वहां सरकार कुछ नहीं करती है और सरकार मुंह फेर लेती है। खाद, खेती, फसल सब बड़े बड़े उद्योगपतियों के हाथ में दे दी गई है।

उन्होंने कहा कि खाद के लिए लाइन में

लगे लगे लोगों की मौत रही है। जब मैंने मृत किसानों के परिवार से मिली तो वहां कुछ नहीं था. न वहां सरकारी मदद थी, न गैस सिलेंडर था, था तो सिर्फ उस किसान का रोता हुआ परिवार। कोरोना में जिनके भी रोजगार खत्म हुए, लेकिन उनके लिए सरकार ने कोई कदम नहीं उठाये। सारी संपत्तियां बेच डाली है। कांग्रेस ने रेल, हवाई अड्डा सब कुछ बना के दिया। 70 सालों की मेहनत भाजपा ने सात सालों में गंवा दी है। तीन युवा हर रोज बेरोजगारी के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने जो चीनी मिलें लगवाई थी, उनको सपा, बसपा और भाजपा सरकारों ने बंद करवाई हैं। अमित शाह जी कहते हैं कि अब यूपी में अपराधियों को ढूंढ़ना पड़ता है तो दूरबीन की जरुरत होती है। लेकिन उनके साथ मंच पर अजय मिश्रा टेनी बैठे थे। मैं कहती हूं कि दूरबीन छोड़िये और चश्मा लगाइये। उन्होंने कहा कि मैं आपके लिए लड़ूंगी, कांग्रेस आपके लिए लड़ेगी। मैं आपको वो शक्ति देना चाहती हूं। 40 फीसदी महिलाएं जब राजनीति में आएगी तो वो राजनीति को बदल देंगी। मैं आपके लिए लड़ूंगी, कांग्रेस आपके लिए लड़ेगी। मैं आपको वो शक्ति देना चाहती हूं। 40 फीसदी महिलाएं जब राजनीति में आएगी तो वो राजनीति को बदल देंगी। प्रियंका ने सीएम योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि जबसे योगी जी मुख्यमंत्री बने हैं, आपकी समस्याओं को नहीं सुनते,, हवाई जहाज में चढ़ कर चले जाते हैं। गोरखपुर का जलभराव उन्हें दिखाई नहीं देता है। जिनका रोजगार छीना है, उनको कोई सरकारी मदद नहीं दी गई लेकिन कांग्रेस की सरकार आने पर ऐसे परिवारों को 25000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में बिठाने का सपना दिखाया गया था लेकिन पेट्रोल डीजल के बढ़ती कीमतों ने मोटरसाइकिल से उतार कर पैदल चलने पर मजबूर कर दिया है। जाति और धर्म के नाम पर आपकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आएगी तो मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया जायेगा। गुरु मच्छेन्द्रनाथ के नाम से विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी।

मायावती का इशारों में अखिलेश पर तंज कहा-बरसाती मेढकों से नहीं बढ़ेगा जनाधार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे राजनीतिक दल एक-दूसरे पर हमला करने के साथ सलाह भी दे रहे हैं। इसी बीच में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले निलंबित विधायकों को बरसाती मेढक बताया। बसपा मुखिया मायावती ने रविवार को दो ट्वीट में सलाह देने के साथ ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को आगाह भी किया। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा आम चुनाव नजदीक आने पर अब फिर से आए दिन दलबदलू लोगों के इस पार्टी से उस पार्टी में आने-जाने का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी पार्टी का जनाधार बढ़ने वाला नहीं है बल्कि इससे उन्हें हानि ही होगी।

उन्होंने कहा कि बीएसपी के लोग ऐसे बरसाती मेंढकों को पार्टी से दूर ही रखेंगे। मायावती ने कहा कि केवल दलबदलू ही नहीं बल्कि बरसाती मेंढकों की तरह अनेकों ऐसी पार्टियों के नाम भी लोगों को सुनने को मिल रहे हैं जिनके नाम अब तक देखने-सुनने को नहीं मिले थे। उन्होंने कहा कि सत्ता लोलुपता के ऐसे खेल को जनता खूब समझती है व इससे उनपर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। परिवर्तन अटल है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने इशारों में पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। मायावती ने कहा कि दलबदलू लोगों को शामिल कर लेने से पार्टी का जनाधार नहीं बढ़ने वाला है। बसपा के लोग ऐसे बरसाती मेंढकों को पार्टी से दूर ही रखें। शनिवार को बसपा के छह विधायकों ने सपा का दामन थामा है। अखिलेश यादव ने बसपा छह विधायकों को समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाई थी।

लखीमपुर में घर से पढ़ने गईं तीन छात्राएं लापता, 24 घंटे बाद भी पुलिस का हाथ खाली, चार टीमें गठित

लखीमपुर। शनिवार से लापता एक ही स्कूल की तीन नाबालिग छात्राओं का 24 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस को इन छात्राओं की आखिरी लोकेशन पलिया रोड पर मिली है। इस मामले में पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर चार टीमें गठित की हैं। जो पलिया और निघासन के अलावा संभावित जगहों पर भी छात्राओं की तलाश कर रही हैं। इसके अलावा तलाश के लिए तीनों छात्राओं की तस्वीरें भी जारी कर दी गई हैं। निघासन थाना क्षेत्र की तीनों छात्राएं एक ही स्कूल में कक्षा नौ की छात्रा हैं। सीसी कैमरे में छात्राओं के स्कूल में मौजूदगी की पुष्टि हुई है। इसके बाद तीनों छात्राएं इस स्कूल से निकलकर पलिया रोड पर पहुंची हैं। यहां सीसी कैमरे में उनकी फुटेज दिखाई दे रही है। छात्राओं के लापता होने की सूचना के बाद से ही पुलिस के होश उड़े हुए हैं। शनिवार देर शाम एसपी विजय ढुल निघासन पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से उनकी मौजूदगी व गुमशुदगी के बाबत जानकारी ली। एसपी रात से ही निघासन में ही कैंप कर रहे हैं, लेकिन अभी तक पुलिस टीमों को कोई सुराग नहीं मिला है। यह बताया जा रहा है कि पुलिस छात्राओं की बरामदगी के करीब पहुंच गई है। फिलहाल पुलिस टीमें अभी कुछ भी नहीं बता रही हैं। पुलिस ने अब तक मामले को लेकर 15 सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली है। जिनमें छात्राओं के लापता होने के सुराग पुलिस के हाथ लग चुके हैं। पलिया रोड पर पुलिस को आखिरी लोकेशन मिलने की पुष्टि हो रही है। यह तीनों छात्राएं निघासन इलाके की रहने वाली हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में काबुल नदी के जल से किया राम जन्मभूमि का जलाभिषेक

लखनऊ। अफगानिस्तान की बालिका के अयोध्या में राम मंदिर के लिए प्रेम से भेजे गए उपहार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। पीएम मोदी के पास अफगानिस्तान से एक लड़की ने काबुल नदी का भेज कर राम जन्मभूमि का जलाभिषेक करने कड्डी इच्छा जताई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से अयोध्या जाकर काबुल नदी के जल में गंगा जल में मिलाकर रविवार को रामलला का जलाभिषेक किया। काबुल की इस लड़की ने पीएम नरेन्द्र मोदी से रामलला पर काबुल नदी के जल को चढ़वाने का अनुरोध किया था। अयोध्या पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य भी देखा। यहां पर कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। अयोध्या में रामजन्म भूमि का जल अभिषेक करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज यहां पर गंगा नदी व अफगानिस्तान की काबुल नदी का जल आया है। काबुल से एक बालिका ने वहां पर भय के माहौल में जी रहीं तमाम महिलाओं के दर्द को भेजा है। मुझे उन सभी महिलाओं और बालिकाओं की पीड़ा को भारत की संवेदना से जोड़ते हुए आज मयार्दा पुरुषोत्तम

श्री राम की इस जन्मस्थली पर इस जल को अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। राम की नगरी अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को रामलला की पूजा-अर्चना की। योगी अफगानिस्तान से आए काबुल नदी के जल से जलाभिषेक किया। तालिबान के कब्जे के बाद एक बच्ची ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काबुल नदी का जल भेजा था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने वही जल लेकर रामलला की पूजा की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि इस काबुल नदी के जल की बहुत महत्ता है। इस जल से पहले रामलला का जलाभिषेक किया फिर राम मंदिर के गर्भगृह में अर्पित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काबुल नदी का जल राम मंदिर निर्माण स्थल पर छिड़का। वैदिक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने गंगा जल में मिला काबुल नदी का जल छिड़का। इस दौरान उन्होंने बताया कि काबुल की एक लड़की ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को काबुल नदी का जल भेजा था। उसने इच्छा व्यक्त की है कि राम मंदिर निर्माण स्थल पर काबुल नदी का जल छिड़का जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में रविवार को रामायण कॉन्क्लेव का भी समापन किया।

सपा, बसपा, कांग्रेस को पूरी तरह विदाई देने का वक्त : मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अब सपा, बसपा और कांग्रेस को पूरी तरह विदाई देने का वक्त आ गया है। मौर्य ने सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा भाजपा अन्य पिछड़ा वर्गों की एकता की बदौलत अपना विजय अभियान जारी रखेगी। प्रदेश में इन वर्गों की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत है। अगर भाजपा न होती तो क्या कल्याण सिंह कभी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और केशव प्रसाद मौर्य उपमुख्यमंत्री बन पाते। कार्यकताओं में जोश भरने का प्रयास करते हुए मौर्य ने कहा कि उन्हें खुद को उपमुख्यमंत्री से कम नहीं समझना चाहिए। एटा से भाजपा सांसद राजवीर सिंह ने इस मौके पर कहा, वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 265 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा था और पार्टी तथा उसके सहयोगी दलों को 325 सीटें मिली थी। इस बार हमने

300 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है तो हमें 350 सीटें मिलेंगी। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने दावा किया कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जिसमें समाज के सभी वर्गों को सम्मान दिया जाता है।

नरेश उत्तम बोले- किसानों और युवाओं के साथ भाजपा सरकार ने धोखा किया

प्रयागराज। किसानों, मजदूरों और युवाओं के साथ भाजपा सरकार ने धोखा किया है। प्रधानमंत्री गृहमंत्री और मुख्यमंत्री सिर्फ झूठ बोलते हैं। जनता से इन्हें कोई मतलब नहीं है। यह सिर्फ सत्ता पर बैठना चाहते हैं। ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। यह बातें समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहीं। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम रविवार को प्रयागराज में थे। उन्होंने शहर के केपी कालेज मैदान में सरदार पटेल की जयंती पर किसान नौजवान पटेल यात्रा के समापन पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में भाजपा ने चुनाव से पहले किसानों से कहा था कि उनकी आय दोगुनी की जाएगी। युवाओं को रोजगार मुहैया कराया जाएगा लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। सपा प्रदेश अध्यक्ष बोले कि महंगाई को भी कम करने का करने का वादा किया गया था लेकिन आज पेट्रोल डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर के दाम आसमान छू रहे हैं।

अपना दल एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कहा उत्तर प्रदेश से सपा-बसपा का होगा सूपड़ा साफ

बरेली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्यमंत्री एवं अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश से सपा और बसपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तरक्की हो रही है। आम आदमी को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। दावा किया कि विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन फिर 300 से अधिक सीटें हासिल कर बहुमत की सरकार बनाएगा।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर मुरादाबाद-फरुर्खाबाद हाईवे स्थित पटेल चौक पर स्थापित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का लोकार्पण करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि देश को एकता और अखंडता के सूत्र में पिरोने वाले सरदार पटेल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। कुर्मी समाज को संगठित रहने का मूलमंत्र देते हुए कहा कि एकजुट रहकर एक मंच पर रहेंगे तभी राजनीति में अलग पहचान मिलेगी। संगठित रहकर बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने पर जोर दिया। युवाओं से राजनीति में अपनी सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इससे पूर्व कुर्मी समाज के लोगों ने नगर पंचायत गुलड़िया, सिलहरी, आमगांव, लखनपुर, नगला शर्की, बावट, भगवतीपुर, दहेमी, लखनपुर कुर्मी समाज के लोगों से मुलाकात कर संगठित रहने को कहा। कुर्मी समाज के जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह एडवोकेट आभार व्यक्त किया। कुर्मी महासभा के प्रदेश सचिव बृजेश पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष हर प्रसाद सिंह पटेल, तीर्थेंद्र पटेल, जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश अध्यक्ष अनूप पटेल, शिवम पटेल, राम सिंह पटेल, समेत दर्जनों लोगों ने अनुप्रिया पटेल का फूल मालाओं स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष कार्यवाहक अनुपम पटेल, युवा प्रदेश अध्यक्ष गौरव पटेल, अपना दल प्रदेश महासचिव ज्वाला प्रसाद गंगवार, जिला अध्यक्ष कामता शाक्य आदि मौजूद रहे। संचालन जोगिंदर सिंह राठौर ने किया।

कानपुर में 3 और लोगों में जीका संक्रमण की पुष्टि

कानपुर। कानपुर में भारतीय वायु सेना के दो कर्मियों समेत तीन और लोगों में जीका वायरस का संक्रमण पाया गया। कानपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नेपाल सिंह ने बताया कि 23 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी में जीका वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया था, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उनके (संक्रमित अफसर) के संपर्क में आए 22 लोगों के सैंपल लिए थे मगर उनमें से किसी ने भी यह संक्रमण नहीं पाया गया था। उन्होंने कहा कि उसके बाद 465 लोगों के नमूने लिए गए जिसकी जांच रिपोर्ट के आधार पर शनिवार को उनमें वायुसेना के दो कर्मियों समेत तीन लोगों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। उनके अनुसार उन सभी की उम्र 30 से 41 वर्ष है। सिंह ने बताया कि वायुसेना केंद्र के आसपास के इलाकों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों से कहा गया है कि वे वायुसेना केंद्र के आसपास बुखार से पीड़ित लोगों के नमूने एकत्र कर उन्हें जांच के लिए भेजें।

अयोध्या में बैंक अधिकारी श्रद्धा गुप्ता की मृत्यु के मामले में आरोपित विवेक गुप्ता से लम्बी पूछताछ

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या में शनिवार को पंजाब नेशनल बैंक की अधिकारी की श्रद्धा गुप्ता संदिग्ध मौत के बाद मौके से मिले सुसाइड नोट में आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने पड़ताल शुरू कर दी है। इस प्रकरण में आइपीएस अफसर आशीष तिवारी के साथ प्रधान आरक्षी अनिल रावत और मृतका के मंगेतर रहे विवेक गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। अयोध्या पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपितों पर शिकंजा कसा। इस केस में मुख्य आरोपित साफ्टवेयर इंजीनियर विवेक गुप्ता से पुलिस कल शाम से पूछताछ कर रही है। विवेक को रविवार को भी पुलिस लाइन में बुलाया गया। अपनी कस्टडी में लेकर पुलिस विवेक से श्रद्धा गुप्ता के बारे में पूछ रही है। इतना ही नहीं उसके मोबाइल का कॉल डिटेल भी निकलवाया गया है। श्रद्धा गुप्ता की बीती अप्रैल 2020 में बलरामपुर के उतरौला में रहने वाले विवेक गुप्ता से शादी तय हो गई थी। दोनों के बीच बात भी होने लगी थी। इसी दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के बढ? के कारण शादी टल गई थी। शादी टलने के बाद श्रद्धा गुप्ता को विवेक के बारे में कुछ पता चला तो उसने विवेक से बात करना काफी कम कर दिया था। विवेक गुप्ता इसके बाद भी उससे लगातार बात करने के प्रयास में लगा

रहता था। श्रद्धा गुप्ता इसको लेकर काफी नाराज भी हो जाती थी। वह विवेक गुप्ता को नापसंद करने लगी थी। लखनऊ के राजाजीपुरम निवासी श्रद्धा गुप्ता के पिता ने बताया कि घर आने पर उनकी बेटी ने विवेक गुप्ता पर लगातार दबाव बनाने का भी आरोप लगाया था। इसके साथ ही विवेक गुप्ता अपने संबंध बड़े पुलिस अधिकारियों के साथ होने की भी धमकी देता था। पुलिस अब इन्ही सब पहलुओं पर पड़ताल में लगी है।

मेरठ में कैबिनेट मंत्री ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

मेरठ। जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण कैबिनेट मंत्री डा.महेंद्र सिंह ने बाढ़ को लेकर रविवार को मवाना में एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि यह एक आपदा थी जिसे योगी सरकार ने जिम्मेदारी से संभाल लिया। हस्तिनापुर के 40 गांव प्रभावित हुए लेकिन फसल हानि हुई जनहानि नहीं हुई। हस्तिनापुर वासियों को सुरक्षित रखने के लिए कई परियोजनाओं पर काम चल रहा है जिन्हें जल्द ही निपटा लिया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने किसानों पर बोलते हुए कहा कि किसान भाजपा के साथ है और 2022 के चुनाव में 350 सीट लेकर प्रदेश में दोबारा सरकार बनाएंगे। इस दौरान राज्य मंत्री दिनेश खटीक, विधायक सत्यवीर त्यागी, जिला अध्यक्ष विमल शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे। सरकार बाढ़ पीड़ितों का पूरा ध्यान रखेगी। इसके पूर्व रविवार को जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण कैबिनेट मंत्री डा.महेंद्र सिंह व राज्यमंत्री दिनेश खटीक हस्तिनापुर गंगा खादर क्षेत्र का दौरा किया।

विदेशी क्रिकेट टीम का समर्थन करिये, पर अपने देश के हारने का जश्न तो मन मनाइये

दुबई में इन दिनों टी-20 का विश्व कप खेला जा रहा है। धूम धड़ाके वाले मैच चल रहे हैं। यह क्रिकेट का ऐसा प्रारूप है जिसमें किसी की जीत या हार की भविष्यवाणी करना खतरे से खाली नहीं है। प्रतियोगिता शुरू होने से पहले भारत को सबसे मजबूत टीम माना जा रहा था लेकिन पहले ही मैच में पाकिस्तान ने हरा कर झटका दे दिया। सारे क्रिकेट पंडितों के कयास धरे रह गए। भारत और पाकिस्तान में चूंकि द्विपक्षीय खेल का रिश्ता टूट चुका है और कभी कभार अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं में ही मुलाकात होती है, इसलिए एक दूसरे की ताकत का अंदाज लगाना मुश्किल हो गया है। विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड अजेय रहा है इसलिए भी हम अपनी जीत के प्रति आश्वस्त थे। टीवी चैनलों पर तमाम विशेषज्ञ भारत का पलड़ा भारी बता रहे थे।

बहरहाल, अब इस बार 10 विकेट से हार का कलंक कप्तान विराट कोहली के माथे लग गया है। दोनों टीमों में जब भी भिड़न्त होती है, भावनाएं उबलने लगती हैं। हार या जीत को देश की प्रतिष्ठा से जोड़ कर देखा जाता है। जैसा कि हर बार होता है, इस बार भी पाकिस्तान की जीत पर भारत के कुछ हिस्सों में खुशियां मनाई गईं और पटाखे फोड़े गए। यह अच्छी बात है कि इन सभी देश विरोधी तत्वों पर सरकार का शिकंजा कस गया है। इन पर केस दर्ज हो गए हैं। हालांकि, ऐसे देश विरोधी तत्वों को यह मौका बहुत कम ही मिलता है क्योंकि बड़े मुकाबलों में पाकिस्तान हमसे हारता ही रहा है, मगर 24 अक्टूबर 2021 को भारत को शर्मनाक पराजय नसीब हुई। इससे पहले 2017 में इंग्लैंड में आयोजित चैंपियंस कप के फाइनल में भारतीय टीम पाकिस्तान से हार गई थी। पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने वालों को उप्र की योगी सरकार ने अच्छा सबक सिखाया है। मुख्यमंत्री ने ऐसे लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने का हुक्म दिया है। देश के जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान समर्थक लोगों की तादाद अधिक है। वहां भारत के खिलाफ पाकिस्तान की जीत पर खुशियां मनाने का रिवाज बहुत पुराना है। इस बार भी वहां कश्मीर विश्वविद्यालय के छात्रों ने पाकिस्तान के पक्ष में नारे लगाए। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पाकिस्तान की जीत पर चहकने वाले मेडिकल छात्रों के खिलाफ 'अवैध गतिविधियां रोकथाम कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इनमें सरकारी मेडिकल कॉलेज कर्णनगर और शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान के छात्रों को नामजद किया गया है। जश्न से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए थे। इसका संदेश यही है कि ये लोग अपने देश से प्रेम नहीं करते हैं। भारत में रह कर भारत के प्रति नफरत करने वालों के साथ सख्ती से पेश आने की जरूरत है। और केन्द्र सरकार इन लोगों के साथ ऐसा कर भी रही है। मगर, ये कब सुधरेंगे अथवा सुधरेंगे भी या नहीं इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। अव्वल तो इनको देश से निकाल बाहर ही कर देना चाहिए। खेलों में जीत हार तो लगी ही रहती है। इसे उन्माद का रूप देना उचित नहीं है। भारत के साथ कटुता के बीज पड़ोसी देश ने ही बोए हैं। दोनों देशों में क्रिकेट के प्रति दीवानगी है। यही वजह है कि हार को पचाना मुश्किल होता है।

इस मामले में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बहुत बढ़िया निर्णय किया है। पाकिस्तान की जीत पर उप्र के चार जिलों में देश विरोधी नारे लगाए गए थे। पुलिस ने सात व्यक्तियों के खिलाफ पहले ही अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था। अब इन पर देशद्रोह की धारा भी लगाई जाएगी। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि कहीं भी कोई ऐसी वारदात हो जिसमें देश विरोधी कार्य किया जाता है तो उसमें देशद्रोह के तहत मुकदमा दर्ज करें। बता दें कि भारत-पाकिस्तान का मैच खत्म होने के बाद कुछ शहरों में पाकिस्तान के समर्थन में भारत विरोधी नारेबाजी हुई थी। कई जगहों पर लोगों ने पटाखे फोड़ कर एक वर्ग की भावनाओं को आहत किया। इस मामले में प्रदेश सरकार ने रिपोर्ट तलब की। पुलिस ने बदायूं जिले के फैजगंज बेहटा थाने में एक अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। अभियुक्त ने फेसबुक पर पाकिस्तान का झंडा लगाते हुए एक पोस्ट डाली थी। इसी तरह सीतापुर के रामपुर मथुरा थाने में फेसबुक पर पाक की जीत पर टिप्पणी करने वाले मुशर्रफ के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। उधर, इसी सिलसिले में आगरा में इंजीनियरिंग के तीन कश्मीरी छात्रों को पकड़ा गया है। बरेली के इज्जतनगर में एक व्यक्ति ने वाट्सएप पर पाकिस्तान का समर्थन करते हुए स्टेटस लगाया था। इज्जतनगर थाने में ही एक अन्य शख्स के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। यह घटना बताती है कि हमारे देश में एक वर्ग ऐसा भी है जो अब भी पाकिस्तान से प्रेम करता है। इनके साथ नरमी बरतने का सवाल ही नहीं उठता। फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का रवैया तो इस मामले में बेहद सख्त है। उन्होंने पिछले साल नागरिकता संशोधन विधेयक यानी सीएए के खिलाफ आंदोलन करने वालों की तस्वीर चौराहों पर लगवा दी थी। पाकिस्तान की जीत पर खुशी मनाने का एक प्रकरण राजस्थान से भी आया है। वहां एक स्कूल की अध्यापिका ने इस बारे में वाट्सएप पर कुछ लिखा था। उनकी करतूत भी सरकार की नजर में आ गई है। ये सब लोग भारत में रह कर पाकिस्तान का गुणगान करते हैं। इसे कोई भी बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत मैच में पाकिस्तान से बुरी तरह पराजित हुआ। दस विकेट से पराजय शर्मनाक ही कही जाएगी। क्रिकेट अनिश्चितताओं वाला खेल है। मजबूत टीम कभी कमजोर टीम से भी हार जाती है। इस मैच में सभी भारतीय गेंदबाजों ने खूब रन लुटाए। पांच गेंदबाजों ने बॉलिंग की लेकिन किसी को भी पाकिस्तान का कोई विकेट नहीं मिला। मुहम्मद शमी भारत के अच्छे गेंदबाज हैं पर उस दिन वह भी नहीं चले। भारत की हार के लिए अकेले शमी ही जिम्मेदार नहीं थे, लेकिन एक वर्ग ने उन्हें निशाने पर ले लिया। उनकी लानत मलानत की जाने लगी। सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियां की गईं। भारत जैसे देश में यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। किसी खास धर्म के खिलाड़ी को इस तरह अपमानित करना गलत है। भारतीय टीम में कई मुस्लिम खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने अपने खेल से देश का नाम रोशन किया है। खेल में धर्म की घुसपैठ की कोई आवश्यकता नहीं है।

छात्रा हत्याकांड: आठ गवाहों का कराया जाएगा नार्को टेस्ट, एसआईटी को कोर्ट से मिली मंजूरी

मैनपुरी। नवोदय विद्यालय की छात्रा की कथित हत्या व दुष्कर्म मामले में एसआईटी को आठ गवाहों सहित 17 संदिग्धों का नार्को टेस्ट कराने की कोर्ट से अनुमति मिल गई है। सभी की सहमति मिलने के बाद कोर्ट ने यह निर्णय लिया है। वहीं संदिग्धों की सूची में शामिल कुछ और लोगों के टेस्ट संबंधी आवेदन पर भी जल्द ही फैसला आ सकता है। भोगांव क्षेत्र के नवोदय विद्यालय में 16 सितंबर 2019 को एक छात्रा की कथित हत्या व दुष्कर्म मामले में एसआईटी जांच कर रही है। सूत्रों की माने तो एडीजी भानु भास्कर के निर्देशन में काम कर रही एसआईटी मुल्जिम चिह्नित कर चुकी है, लेकिन अभी उनकी गिरफ्तारी होना शेष है। गवाहों की सूची में जो लोग शामिल हैं, वह लोग कहीं अपनी गवाही से मुकर न जाएं, इसके लिए एसआईटी ने आठ गवाहों का नार्को टेस्ट कराने के लिए पॉक्सो कोर्ट में आवेदन किया था। इस पर पेश हुए गवाहों के सहमति पत्र भी लगाए गए थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को पॉक्सो कोर्ट ने टेस्ट कराए जाने को लेकर आठ गवाह सहित कुल 17 लोगों के टेस्ट कराने की अनुमति दी है। अनुमति मिलने के साथ ही एसआईटी टेस्ट की प्रक्रिया में जुट गई है। वहीं कुछ और संदिग्धों के टेस्ट कराने के संबंध में एसआईटी विचार विमर्श कर रही है। हालांकि अभी उनको लेकर अभी कोर्ट में आवेदन नहीं किया गया है। वहीं पूरे मामले पर कानूनी राय भी ली जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को कैंप कार्यालय पर एसपीओ को बुलाकर एसआईटी ने राय ली। एसआईटी एक ओर गवाही को मजबूत करने के प्रयास में काम कर रही है। वहीं कुछ टीमें मुल्जिम की तलाश में जुटी हुई हैं। गैर जनपदों में मुखबिरों का जाल बिछाया गया है। डीजीपी कार्यालय से भी एसआईटी द्वारा की जा रही कार्रवाई के संबंध में प्रतिदिन का ब्योरा लिया जा रहा है। पूरे मामले उच्चाधिकारी नजर बनाए हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से धोकर इंग्लैंड टॉप पर

जोस बटलर ने 32 गेंदों पर ठोके नाबाद 71 रन

दुबई । पिछले उपविजेता इंग्लैंड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी टी 20 विश्व कप के ग्रुप एक के मुकाबले में शनिवार को 20 ओवर में 125 रन पर निपटा दिया और फिर 11.4 ओवर में दो विकेट पर 126 रन बनाकर आठ विकेट से एकतरफा जीत हासिल कर ली।

ओपनर जोस बटलर ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए नाबाद 71 रन ठोके और अपनी टीम को 12वें ओवर में लगातार तीसरी जीत दिला दी और उसका सेमीफाइनल में स्थान भी लगभग सुनिश्चित कर दिया। ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा और इस बड़ी हार के साथ ऑस्ट्रेलिया का नेट रन रेट भी माइनस में खिसक गया है। ऑस्ट्रेलिया अब तालिका में दक्षिण अफ्रीका के बाद तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। जेसन रॉय ने 22, मलान 8, और बेयरस्टो नाबाद 16 रन का योगदान दिया। इससे पहले इंग्लैंड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 125 रन पर निपटा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने संयुक्त रूप से अपना दूसरा न्यूनतम स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलिया की पारी शुरुआत से ही लड़खड़ाती रही और उसने 21 रन तक अपने चार विकेट गंवा दिए। कप्तान आरोन फिंच ने एकतरफा संघर्ष करते हुए 49 गेंदों में 44 रन बनाए। फिंच ने एश्टन एगर के साथ छठे विकेट के लिए 45 रन जोड़े। वेड ने 18 रन जबकि एगर ने 20 रन बनाए। पैट कमिंस ने 12 रन और स्टार्क ने 13 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से क्रिस जॉर्डन ने तीन विकेट, क्रिस वोक्स ने दो विकेट और टायमल मिल्स ने 45 रन पर दो विकेट निकाले।

टी-20 वर्ल्ड कप में द. अफ्रीका की दूसरी जीत

श्रीलंका को चार विकेट से हराया, हसारंगा की हैट्रिक बेकार

शारजाह। वनिंदू हसारंगा की हैट्रिक को बेकार करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को टी 20 विश्व कप के ग्रुप एक मुकाबले में शनिवार को चार विकेट से हराकर अपनी उम्मीदों को कायम रखा। श्रीलंका ने पथुम निसंका की 72 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी से 20 ओवर में 142 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। हसारंगा की हैट्रिक से श्रीलंका को जीत की उम्मीद नजर आने लगी थी लेकिन आखिरी ओवर में डेविड मिलर ने लगातार दो छक्के उड़ाते हुए दक्षिण अफ्रीका काम आसान कर दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 19.5 ओवर में छह विकेट पर 146 रन बनाकर रोमांचक जीत अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि श्रीलंका की तीन मैचों में यह दूसरी हार है। श्रीलंका के लिए पथुम निसंका के अलावा कुसल परेरा 7, भानुका राजपक्षे शून्य, अविष्का फर्नांडो 3, वानिंदु हसरंगा 4, कप्तान दासुन शनाका 11, चमिका करुणारत्ने 5, लाहिरु कुमारा शून्य और दुष्मंथा चमीरा ने 3 रन का योगदान दिया। द.अफ्रीका की तरफ से शम्सी और प्रिटोरियस ने तीन-तीन व नोर्त्जे को दो विकेट मिले।

मिलर व रबादा ने दिलाई जीत

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने अपने तीन विकेट 49 रन तक गंवा दिए। कप्तान तेम्बा बावुमा (46) और मारक्रम (19) ने चौथे विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी की। मारक्रम को हसारंगा ने 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर बोल्ड किया। हसारंगा ने अपने अगले ओवर की पहली दो गेंदों पर बावुमा और डवेन प्रिटोरियस (0) को आउट कर अपनी हैट्रिक पूरी कर ली। लेकिन इसके बाद डेविड मिलर ने 13 गेंदों पर नाबाद 23 और कैगिसो रबादा ने सात गेंदों पर नाबाद 13 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के खेमे को जीत के जश्न में डुबो दिया। शम्सी को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मैच से पहले टीम ने ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान को समर्थन देने के लिए घुटने पर बैठी। डिकॉक भी एक घुटने पर बैठे नजर आए। इससे पहले उन्होंने घुटने के बल बैठने से इंकार कर दिया था और मैच से हट गए थे।

श्रीलंका के लिए टी20 में हैट्रिक लेने वाले पांचवे खिलाड़ी हसरंगा

वानिंदु हसरंगा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट चटकाए और हैट्रिक लेने में सफल रहे। श्रीलंका के लिए टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले वह पांचवें और टी20 वर्ल्ड कप के तीसरे खिलाड़ी बने। हसरंगा से पहले 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली ने और आयरलैंड के कर्टिस कैंफर ने हैट्रिक ली थी। ओवरऑल टी20 क्रिकेट की ये 23वीं हैट्रिक रही।

सीनियर महिला हॉकी खिताब पर मध्य प्रदेश ने किया कब्जा

खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने टीम को दी बधाई

भोपाल। हॉकी मध्यप्रदेश की महिला टीम ने 11वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला नेशनल चैंपियनशिप-2021 में विजेता होने का गौरव हासिल किया।

हॉकी मप्र ने फाइनल में हॉकी हरियाणा को 1-0 से पराजित किया। हॉकी पंजाब की टीम तीसरे स्थान पर रही। हॉकी मप्र की 18 सदस्यीय टीम में मप्र राज्य महिला हॉकी अकादमी की 15 खिलाड़ी शामिल हैं। हॉकी मप्र की टीम की इस उपलब्धि पर खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने बधाई दी है। टीम की सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। फाइनल मुकाबला काफी कशमकश भरा रहा। हॉकी मप्र और हॉकी हरियाणा ने मैच के पहले ही मिनट से ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। मैच के 9वें मिनट में मप्र हॉकी की टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला। इस पर कंचन निधि केरकेट्टा ने गेंद को गोल पोस्ट में डालते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद हरियाणा की टीम ने जवाबी हमले किए। मप्र की गोलकीपर नंदिनी कुशवाह ने शानदार बचाव करते हुए टीम के खिलाफ कोई गोल नहीं होने दिया। इस 1-0 के निर्णायक स्कोर के साथ ही मप्र की टीम ने राष्ट्रीय महिला चैंपियन होने का गौरव हासिल कर लिया।

अकादमी बनी उम्मीद की किरण, लौट रहा हॉकी का नया युग : खेल मंत्री

खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश की दोनों हॉकी अकादमी परिणाम दे रही है। मप्र सरकार हमेशा से खेलों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में आगे रही है। हम अपने खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी पुरूष हॉकी अकादमी की सब जूनियर और जूनियर टीमों ने प्रथम हॉकी इंडिया इंटर अकादमी के खिताब हाल ही में जीते हैं।

मप्र ने किए 51 गोल

इस महिला चैंपियनशिप में हॉकी मप्र ने शानदार प्रदर्शन किया और एक चैंपियन की तरह खेली। हॉकी मप्र की टीम ने पूरे चैंपियनशिप में कुल 51 गोल दागे। हॉकी मप्र ने सबसे बड़ी जीत गुजरात के खिलाफ 28-0 से दर्ज की। हॉकी मप्र के खिलाफ पूरे चैंपियनशिप में मात्र दो ही गोल हुए। मप्र की उपासना सिंह ने लीग मुकाबले में हॉकी बंगाल के खिलाफ हैट्रिक भी जमाई थी।

निक्की व देसाई ने जीता राष्ट्रीय टेनिस खिताब

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी निक्की के पूनाचा और जील देसाई ने यहां शनिवार को संपन्न हुई फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष एवं महिला वर्ग में राष्ट्रीय खिताब जीता। अधिकतर विदेश में खेलने वाली जील देसाई ने पूरे हफ्ते परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाया और महिला एकल फाइनल में क्वॉलीफायर शर्मदा बालू को 6-3, 6-0 से लगातार सेटों में मात दी। मैच के बाद उन्हें तीन लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी गई। शर्मदा बालू ने पिछले दस दिनों में अच्छा खेला। उनका क्वॉलीफाइंग मैच जीतने की कड़ी मेहनत से लेकर फाइनल में जगह बनाने तक का सफर शानदार रहा।

भारत की इनियान ने सर्बिया में शतरंज टूर्नामेंट जीता

अरानडेलोवाक। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान शनिवार को यहां पांचवें रूजना जोरा शतरंज टूर्नामेंट में नौ दौर में सात अंक जुटाकर विजेता रहे। उन्होंने हाल में स्पेन में ए टूर्नामेंट खेला था जिससे वह एक ईएलओ अंक जुटाने में सफल रहे थे। उनकी मौजूदा फिडे रेटिंग 2556 अंक है। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने पांच जीत दर्ज की और चार ड्रा खेले। उन्हें एक भी मैच में हार नहीं मिली। वह दूसरे स्थान पर रहे रूस के मास्टर मकारियान रूडिक से आधा अंक आगे रहे।

साथियान व हरमीत की युगल जोड़ी ने जीता खिताब

नई दिल्ली। भारत के साथियान और हरमीत देसाई की युगल जोड़ी ने वर्ल्ड टेबल टेनिस कंटेंडर का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारतीय जोड़ी ने शनिवार को खिताबी मुकाबले में फ्रांस के इमानुएल लेबेसन और एलेक्जांद्रा कैसीन की जोड़ी को 3-1 (11-9, 4-11, 11-9, 11-6) से हराया। टुनिस में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने पहला सेट अपने नाम किया लेकिन दूसरे सेट में फ्रेंच जोड़ी ने जीत हासिल की। हालांकि इसके बाद हरमीत-साथियान की जोड़ी ने जोरदार वापसी की और आखिरी के दोनों सेट जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। हरमीत-साथियान की जोड़ी ने इससे पहले सेमीफाइनल में बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व की सातवीं रैंक वाली हंगरी की जोड़ी को 3-2 से हराया था। बात करें अन्य मुकाबले की तो साथियान को मिश्रित युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में फ्रांस की शीर्ष वरीय जोड़ी के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

सुमित प्री क्वॉर्टर में, सचिन हारे

बेलग्रेड। भारतीय मुक्केबाज सुमित (75 किग्रा) ने शनिवार को यहां ताजिकिस्तान के अब्दुमलिक बोलताएव पर शानदार जीत से एआईबीए पुरूष विश्व चैम्पियनशिप के प्री क्वॉर्टरफाइनल में प्रवेश किया। सुमित ने बोलताएव को 5-0 से परास्त किया। बोलताएव सटीक मुक्के जड़ने की काबिलियत में भारतीय मुक्केबाज के करीब भी नहीं दिख रहे थे। सुमित को दूसरे दौर में बोलताएव के सिर के पीछे हिट करने के लिये चेतावनी भी दी गयी लेकिन इसके बावजूद मैच में उनकी पकड़ ढीली नहीं हुई और वे सर्वसम्मत विजेता बने। सुमित का सामना अब सोमवार को प्री क्वार्टर फाइनल में क्यूबा के योनलिस हर्नांडिज से होगा। सचिन (80 किग्रा) को हालांकि अंतिम 32 के मुकाबले में अमेरिका के रॉबी गोंजालवेस के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी।

करो या मरो के मैच में विराट सेना की अग्नि परीक्षा आज

हारने वाली टीम की राह मुश्किल, जीत का खाता खोलना चाहेंगी दोनों टीमें

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान से मिली हार के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को टी20 विश्वकप सुपर 12 चरण का मुकाबला भारतीय टीम के लिये करो या मरो का होगा और विराट कोहली की कप्तानी की भी यह अग्नि परीक्षा होगी जिसमें उन्हें अपनी टीम से अपेक्षाओं पर खरे उतर पाने की उम्मीद होगी।

भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हरा कर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करने के साथ-साथ सेमीफाइनल की राह में एक कदम आगे बढ़ाना चाहेगी। न्यूजीलैंड का भी यही इरादा होगा। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर शाम साढ़े सात बजे खेला जाने वाला यह मैच हर लिहाज से रोमांचक होगा। फिलहाल दोनों ही टीमों का जीत का खाता नहीं खुला है। दोनों को ही पाकिस्तान के खिलाफ अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। भारत जहां एकतरफा अंदाज में हारा था, वहीं न्यूजीलैंड को थोड़ी बहुत चुनौती के बाद पराजय हासिल हुई थी। ऐसे में दोनों ही टीमें मजबूत वापसी करते हुए जीत दर्ज कर अपना लोहा मनवाना चाहेंगी। यह मैच हारने वाली टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह बहुत मुश्किल हो जाएगी। टीम के प्रदर्शन की बात करें तो पहले मैच में भारत का शीर्ष क्रम धराशाई हो गया था, हालांकि कप्तान विराट कोहली ने 57 रन बना कर ऋषभ पंत और अन्य बल्लेबाजों के साथ मिल कर टीम को 151 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया था, लेकिन पाकिस्तान की बल्लेबाजी के सामने यह स्कोर डिफेंड करने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ। यहां तक कि भारतीय गेंदबाज पाकिस्तान का एक भी विकेट नहीं ले पाए थे।

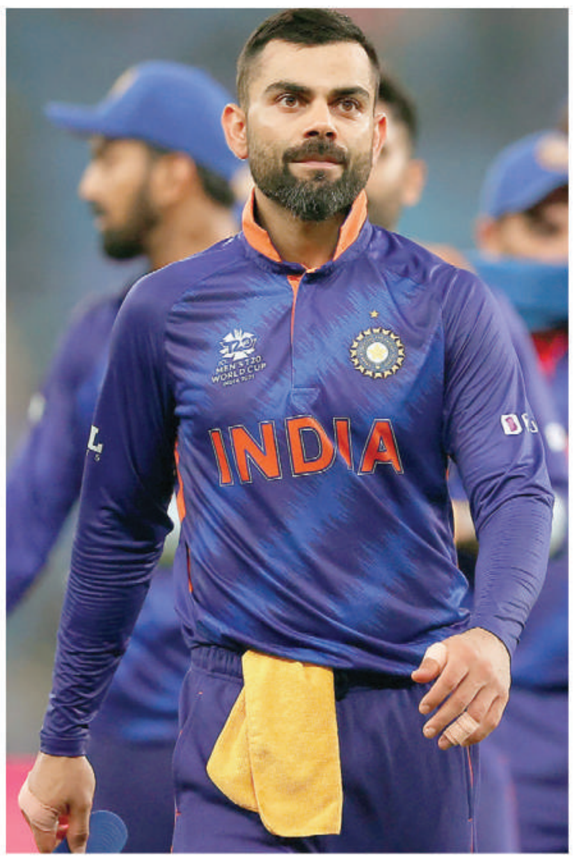

हार्दिक फिट, छठे गेंदबाज के तौर पर कर सकते हैं गेंदबाजी

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के लिए बेहतर तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि हार्दिक पांड्या ठीक हैं और मैच में छठे गेंदबाज के तौर पर गेंदबाजी कर सकते हैं। विराट ने यहां मैच की पूर्वसंध्या पर शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हार्दिक अब पूरी तरह फिट हैं, अगर हमें मैच में छठे गेंदबाज की जरूरत पड़ती है तो वह हार्दिक हो सकते हैं या फिर मैं भी हो सकता है। कप्तान ने शार्दुल ठाकुर को लेकर कहा, शार्दुल एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो निश्चित रूप से हमारी योजनाओं में हैं, लेकिन मैच की स्थिति के हिसाब से प्लेइंग इलेवन (एकादश) का फैसला किया जाएगा। वह लगातार अपने लिए टीम में जगह के मौके बना रहे हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम के लिए काफी मूल्य ला सकते हैं। वह क्या और किस जगह पर भूमिका निभाते हैं इस बारे में मैं अभी बात नहीं कर सकता। उल्लेखनीय है कि बीते रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी करते समय कंधे पर चोट लगने के बाद ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या असहज दिखे थे। इसके बाद बीसीसीआई की ओर से उन्हें स्कैन के लिए ले जाया गया था, लेकिन क्योंकि उन्होंने मैच में फील्डिंग नहीं की थी, इसलिए उनकी रिपोर्ट में कुछ सामने नहीं आया।

भारतीय टीम में बदलाव की संभावना

दोनों नई रणनीति के साथ टीम में उतरना चाहेंगी, जिसके तहत टीम में बदलाव भी देखने को मिल सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में बदलाव हो सकते हैं। एकादश में अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और शार्दुल ठाकुर को जगह मिल सकती है। वहीं तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी से गेंद के साथ अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद होगी।

नामीबिया के खिलाफ जीत की राह पर लौटना चाहेगा अफगानिस्तान

अबुधाबी। पाकिस्तान के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार का सामना करने के बाद अफगानिस्तान की टीम रविवार को आईसीसी टी20 विश्व कप में जब यहां टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे नामीबिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसके सामने जीत की राह पर लौटने की चुनौती होगी। अफगानिस्तान ने साबित कर दिया है कि वह ऐसी टीम नहीं है जिसे हल्के में लिया जाए। टीम में राशिद खान की अगुवाई में विशव स्तरीय स्पिन गेंदबाजी आक्रमण है। राशिद के अलावा मुजीब उर रहमान और कप्तान मोहम्मद नबी ने दुनिया भर के अलग - अलग टी20 लीग टूर्नामेंटों में खेलकर अपने कौशल को शानदार तरीके से निखारा है। शानदार स्पिन गेंदबाजी को टीम के तेज तर्रार बल्लेबाजों का भी साथ मिलता रहा है। टीम ने अपने शुरुआती मुकाबले में स्कॉटलैंड को बुरी तरह से पराजित किया जबकि शानदार लय में चल रही पाकिस्तान को उन्होंने कड़ी चुनौती दी। अफगानिस्तान के बल्लेबाज बेखौफ होकर बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते है।

धर्म को लेकर किसी पर हमला करना निराशाजनक : विराट

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने पाकिस्तान से मिली 10 विकेट से हार के बाद भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की ट्रोलिंग करने वाले लोगों को आईना दिखाया है। विराट ने कहा, धर्म को लेकर किसी पर हमला करना बेहद निराशाजनक है। हमारा ध्यान बाहर के ड्रामे पर नहीं है। हम पूरी तरह से मैच पर फोकस कर रहे हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया पर अपनी पहचान छिपाकर इस तरह की हरकत करते हैं और आज के समय में यह सामान्य हो गया है, लेकिन हम अपने ड्रेसिंग रूम में माहौल को सही रखते हैं और अपने खिलाड़ियों को साथ रखते हैं। कप्तान ने कहा, इस संदर्भ में हम एक समूह के रूप में समझते हैं कि हमें कैसे एक साथ रहना है। हमें अपनी ताकत पर कैसे ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। बाहर लोग जो सोचते हैं उसका हमारे समूह के अंदर कोई मूल्य नहीं है। हम इस पर कभी ध्यान नहीं देते, क्योंकि लोग यह नहीं समझते कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैदान पर काम करने के लिए क्या करना पड़ता है।

आईपीएल : चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकेंगी टीमें

मुंबई। अगले साल आईपीएल की बड़ी नीलामी से पहले पुरानी आठ आईपीएल टीमों को अधिकतम चार खिलाड़ियों को बरकरार (रिटेन) रखने की अनुमति होगी। वहीं दो नई टीमों को नीलामी से बाहर तीन खिलाड़ियों को जोड़ने की छूट होगी। बीसीसीआई ने शनिवार को इसकी पुष्टि की है। बीसीसीआई ने शनिवार दोपहर सभी फ्रेंचाइजियों को भेजे ई-मेल में कहा, पहले आठ मौजूदा टीम को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने का मौका मिलेगा और उसके बाद दो नई टीमें नीलामी से पहले अधिकतम तीन खिलाड़ियों को चुन सकेंगी। इसके अलावा बीसीसीआई ने 2022 सत्र की नीलामी के लिए सभी टीमों के पास 90 करोड़ रुपए का पर्स होने की पुष्टि की है, जो 2021 की नीलामी के 85 करोड़ से कुछ अधिक है। वहीं किन खिलाड़ियों को रिटेन करना है, इसके लिए मौजूदा आठ टीमों के पास एक नवंबर 2021 से 30 नवंबर 2021 तक का विंडो होगा, जबकि दो नई टीमों को इसके लिए एक दिसंबर 2021 से 25 दिसंबर 2021 तक का विंडो दिया जाएगा। बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि पुरानी टीमें तीन अधिक से कैप्ड और अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को रिटेन नहीं कर सकती हैं, जबकि रिटेंशन लिस्ट में विदेशी खिलाड़ियों की संख्या दो तक सीमित है। बीसीसीआई के ई-मेल में साफ कहा गया है कि एक टीम दो से ज्यादा अनकैप्ड खिलाड़ियों को नहीं रख सकती है।

फ्रेंच ओपन: सेमीफाइनल में हारकर सिंधू टूर्नामेंट से बाहर

तकाहाशी ने 21-18, 16-21, 12-21 से हराया

पेरिस । भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू शनिवार को यहां महिला एकल सेमीफाइनल में जापान की सयाका तकाहाशी से तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मैच में हारकर फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गयी।

हैदराबाद की 26 वर्षीय खिलाड़ी पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पायी और विश्व में 15वें नंबर की तकाहाशी से 21-18, 16-21, 12-21 से हार गयी। सिंधू को इस तरह से 29 वर्षीय जापानी खिलाड़ी से आठ मुकाबलों में चौथी हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा विश्व चैंपियन सिंधू पिछले सप्ताह ओडेन्से में डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में हार गई थी। विश्व में सातवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने सकारात्मक अंदाज में शुरुआत की। दोनों खिलाड़ी पहले गेम में एक समय 5-5 और फिर 9-9 से बराबरी पर थी। जापानी खिलाड़ी हालांकि ब्रेक के समय 11-10 से आगे थी।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को सम्मानित किया, एक करोड़ रुपये का चैक सौंपा

नयी दिल्ली। तीन बार के इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन (आईपीएल) चेन्नई सुपरकिंग्स ने तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को उनकी एतिहासिक उपलब्धि के लिए रविवार को एक करोड़ रुपये का चैक देकर सम्मानित किया। ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी चोपड़ा को चेन्नई सुपर किंग्स क्रिकेट लिमिटेड की ओर से यहां एक करोड़ रुपये का चैक सौंपा गया। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार सीएसके ने चोपड़ा के सम्मान में उन्हें 8758 नंबर (तोक्यो में 87.58 मीटर के स्वर्ण पदक के प्रयास के आधार पर) की जर्सी भी सौंपी। चोपड़ा अभिनव बिंद्रा के बाद भारत के सिर्फ दूसरे व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। सीएसके के सीईओ केएस विश्वनाथन ने कहा, शानदार उपलब्धि के लिए पूरे देश को नीरज पर गर्व है। ट्रैक एवं फील्ड में स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला भारतीय बनकर उन्होंने मापदंड स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा, वह अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। 87.58 की संख्या हमेशा के लिए भारतीय खेलों के इतिहास में दर्ज हो गई है और नीरज को यह विशेष जर्सी सौंपना हमारे लिए सम्मान की बात है। पुरस्कार और विशेष जर्सी लेने के बाद 23 साल के चोपड़ा ने कहा कि पिछले दो महीने उनके लिए नई चीजों का अनुभव करने का मौका रहा। उन्होंने सीएसके प्रबंधन को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा, आपके समर्थन और पुरस्कार के लिए धन्यवाद। काफी अच्छा लग रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि स्वर्ण पदक जीतने के बाद मुझे इतना प्यार मिलेगा। इसकी उम्मीद नहीं थी और काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। उम्मीद करता हूं कि मैं और कड़ी मेहनत करूंगा और अच्छे नतीजे हासिल करूंगा। तोक्यो में सात अगस्त को 87.58 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर चोपड़ा ओलंपिक खेलों की एथलेटिक्स स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे।

बेसव नदी में युवक की लाश मिलने से फैली सनसनी

परिजन जता रहे है हत्या की आशंका, शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम हाउस

प्रखर खेतासराय जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद गांव के पास बेसव नदी में रविवार की सुबह एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई।युवक दलित बस्ती का निवासी बताया जाता है।मृतक के परिजन हत्या की आशंका जता रहे है।एसओ ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही स्तिथि स्पष्ट होगी।शव को कब्जे में लेकर मेडिकल के लिए भेज दिया।गांव से लेकर थाने तक परिजन दहाड़ मारकर रो रहे थे।

जानकारी के अनुसार मुस्तफाबाद गांव के दलित बस्ती निवासी घनश्याम 40 वर्ष पुत्र महाबल शनिवार की शाम सात बजे घर से निकला, देरशाम न लौटने पर परिजन खोजबीन शुरू कर दिए।पता न चलने पर परिजन वापस लौट आये।दूसरे दिन रविवार की प्रातः घर से 1 किमी दूर बेशव नदी में एक लाश दिखाई दी।चरवाहों द्वारा सूचना गांव में पहुँची तो हड़कंप मच गया।गांव वालों ने मृतक की पहचान की,उसके शरीर पर कोई चोट के निशान नही था।लाश औंधे मुंह पानी मे थी।परिजनों को खबर मिलते ही घर मे कोहराम मच गयी।मृतक तीन बेटियां थी।रिया 16 वर्ष, कोशिका 12 वर्ष और श्रेया 10 वर्ष का पिता का साया उठ गया।पत्नी अनार कली का रोरो कर बुरा हाल है।पाँच दिन पूर्व माँ राजदेई की मौत बीमारी से हो गई थी।इस के इलावा मृतक के पिता महाबल और बड़े भाई राधेश्याम साथ मे रहते है।ग्रामीणों का कहना है कि घनश्याम का गांव में किसी से विवाद नही था।उसे शराब की लत थी। पूछे जाने पर एसओ श्रीकांत राय ने बताया कि मृतक अत्यधिक नशे का आदी था।मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा।

छावनी परिषद की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आघात - शैलेन्द्र सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। छावनी परिषद के चुनाव अवैध तरीके से अनिश्चित समय के लिए स्थगित करने के बाद, उसकी लोकतांत्रिक संरचना और प्रक्रिया को एक और तानाशाहीपूर्ण आदेश से गहरा आघात पहुंचाते हुय केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने छावनी परिषद की

प्रसाशकीय परिषद में बिना चुनाव के ही एक सदस्य को नामित कर दिया। यह कृत्य अवैध और छावनी परिषद में लोकतंत्र को पूरी तरह कुचलने की साजिश है । संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक छावनी परिषद का चुनाव अपने नीयत समय पर कराना विधिक जिम्मेदारी है। चूंकि प्रधानमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र होने के बावजूद पिछले चुनाव में यहां भाजपा को भारी शिकस्त मिली और आगे भी लक्षण अच्छे नहीं हैं, इसलिए यहां की चुनावी प्रक्रिया को केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की वजह से रोक दिया गया है। इस बाबत यहां के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि तथा छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष, निवर्तमान पार्षद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शैलेंद्र सिंह का कहना है कि - छावनी परिषद बनारस का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। चूंकि यह सेना के अधिकार क्षेत्र में है इसलिए यहां की गवर्निंग बॉडी में सेना से भी एक ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी शामिल होते हैं। फिर भी समय पर चुनाव कराने की जिम्मेदारी और गैर लोकतांत्रिक तरीके से सदस्य मनोनयन संवैधानिक लोकतंत्र का गला घोंटने जैसी कार्रवाई है। यह बात समझ से परे है यहां जनसमर्थन का दंभ रखने वाली नरेन्द्र मोदी सरकार को वह कौन सी डर सता रहा है कि वह वाराणसी छावनी परिषद में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव न कराने से भाग रही है और बैक डोर से छावनी परिषद पर अलोकतांत्रिक नियंत्रण रखना चाहती है। सेना और छावनी परिषद को मिलने वाले करोड़ों के बजट को ऐसे संविधान एवं लोकतंत्र विरोधी हथकंडे से व्यय करने का अधिकार बनाना शर्मनाक है।

देश के अखंडता की देन सरदार पटेल- डॉ. अवधेश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा के ग्राम रोह गांव में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 146 वी जयंती पर मूर्ति का अनावरण विधायक डॉ. अवधेश सिंह द्वारा किया गया । इस दौरान आयोजित अनावरण समारोह को सम्बोधित करते हुए कहाकि आजादी के बाद देश की छिन्न भिन्न स्थित को एकीकरण करते हुए जिस तरह 546 रियासतों को एक किया ,आज उसी की देन है कि भारत एक सम्प्रभुता सम्पन्न देश के रूप में स्थापित है। विधायक व गणमान्य लोगों ने उनके मूर्ति पर माल्यर्पण करते हुई नमन किया और देश की अखंडता का संकल्प लिया। इस दौरान रोह गाँव के ग्राम प्रधान जय प्रकाश पाल , देवराई के ग्राम प्रधान अजय उदल , शैलेश मिश्रा , रवि पटेल, दिनेश कुमार , अजय पटेल, सूर्यनाथ

पटेल, सरदार पटेल, ज्वाला पटेल समेत अनेक सरदार पटेल के अनुयायी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेरठ के मवाना में जमीन के विवाद में दो पक्षों में जमकर संघर्ष, दस घायल

मेरठ। मेरठ के मवाना में गांव ततीना में रविवार सुबह जमीन के विवाद में दो पक्षों में संघर्ष हो गया। जिसमें जमकर लाठी-डंडे चले। दोनों ओर के दस लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। उक्त गांव निवासी नरेंद्र पाल पुत्र श्यौराज का अपने ही परिवार के उमेश पुत्र आनंद प्रकाश से एक बीघा जमीन को लेकर विवाद है। नरेंद्र पाल का कहना है कि उमेश ने उनकी एक बीघा जमीन कब्जा रखी है। रविवार सुबह आठ बजे नरेंद्र के पुत्र विक्रांत व आदित्य खेत से लौट रहे थे। आरोप है कि उमेश पक्ष ने उन पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। इसको लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हुई और लाठी डंडे चले।

तृणमूल कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद वाराणसी मे ललितेशपति त्रिपाठी का हुआ प्रथम आगमन किये पत्रकार वार्ता

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कांग्रेस पार्टी छोड़ने के बाद तृणमूल कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद पहली बार बनारस पहुंचे ललितेश पति त्रिपाठी मीडिया से मुखातिब हुए। औरंगाबाद स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में ललितेश पति त्रिपाठी ने बताया कि जो लोग टीएमसी ज्वाइन करना चाहते थे उन्हें आज यहां पर पार्टी की सदस्यता प्रदेश अध्यक्ष नीरज राय के नेतृत्व में दिलाई गई। जो लोग भी प्रदेश की राजनीति में बदलाव चाहते हैं वह लोग टीएमसी से जुड़ रहे हैं उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही बनारस में ममता बनर्जी का कार्यक्रम भी करवाना है इसके लिए हम लोग प्रयास कर रहे हैं उनको यहां पर बुलवाने का और संभवत अगले माह उनका कार्यक्रम वाराणसी जनपद में रखा जाएगा। इस दौरान मीडिया से

बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष नीरज राय ने बताया कि उत्तर प्रदेश और बंगाल की भौगोलिक स्थिति सामान्य है और ऐसा शायद ही कोई गिला होगा जहां से लोग बंगाल में नहीं होंगे। उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के साथ सबसे ज्यादा है हिंसात्मक घटनाएं घटी हैं और वही बंगाल को ले करके उन्होंने कहा है कि अगर बीजेपी हमारे पर आरोप लगाती है तो क्यों नहीं वह वहां पर विरोध करने के लिए जमीन पर उतरती है तो इसका मतलब है कि बीजेपी को सिर्फ सिर्फ वहां पर राजनीति करनी है। नीरज राज ने बताया कि नवंबर माह में संभवत पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उत्तर प्रदेश में आएंगे और यहां पर रैली सभा को संबोधित भी कर सकती हैं।

भाजपाइयों ने पटेल के जयंती पर लौह पुरुष को नमन कर एक भारत, श्रेष्ठ भारत नारे का किया समर्थन

प्रखर जौनपुर। विकास भवन स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल के मूर्ति पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के निर्देश पर जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव के नेतृत्व में माल्यार्पण कर भाजपा ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 146वीं जयंती पर उनके विचारों को याद कर श्रद्धांजलि दी। राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार गिरीश चन्द्र यादव ने पटेल के विचारों को याद करते हुये सरदार पटेल के देश को दिए योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने भारत को हमेशा एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य किया, पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत को सही मायने में एक राष्ट्र के रूप में धरातल पर उतारा, सरदार पटेल के विचारों को प्रधानमंत्री मोदी ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्ल के रूप में आगे बढ़ाने का काम करते हुए देश को हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में लाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं। जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव ने सरदार पटेल को गरीब और पिछड़ों का मसीहा बताया उन्होंने कहा कि सरदार पटेल पीड़ित और शोषितों की आवाज थे उनकी समस्या को उठाकर हमेशा उसका निस्तारण कराते थे। जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयासों के फलस्वरूप ही आज हमारा देश गणतंत्र बना है। अनेक धर्म एवं भाषाओं के होते हुए भी हमारे देश में एकता कायम है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है। उक्त अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह, प्रमोद यादव, सरस गौंड, अनिल गुप्ता, रागिनी सिंह, रोहन सिंह, इन्द्रसेन सिंह, राजेश गुप्ता, विकास पंडा, मनीष सोनकर, पतंजलि पांडेय, पंकज श्रीवास्तव, अवनीश यादव, राखी सिंह, सरिता तिवारी, अभिषेक श्रीवास्तव, विपिन सिंह सुड्डू, यसवंत साहू, अजय सेठ, विकास श्रीवास्तव, आयुष अस्थाना आदि उपस्थित रहें।

भारतीय वन सेना में चयन होने के बाद गाँव में खुशी का माहौल

प्रखर केराकत जौनपुर। जिले के विवेक कुमार यादव सुपौत्र श्री पलटू यादव ग्राम - हरधन (मझिली) पोस्ट - बोदरी तहसील -केराकत जिला - जौनपुर का चयन इस वर्ष की परीक्षा भारतीय वन सेवा (IFS) में 72वी रैंक पर हुआ है । विवेक यादव की समस्त शिक्षा मुंबई से हुई है। इनके पिताजी श्री पारस यादव जी मुम्बई में ही सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत है । विवेक शुरू से ही पढ़ने में प्रतिभावान रहे है, इन्होंने B. Tech (electronic) में किया है । इनका यह चयन द्वितीय प्रयास में हुआ है ।इनके चयन की सूचना पर क्षेत्र के लोगो में हर्ष व्याप्त है क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इससे हमारे गांव एवम् क्षेत्र के युवाओं को प्रोत्साहन भी मिलेगा । फिलहाल इस समय विवेक यूपीएससी के आईएएस कैडर की तैयारी के लिए दिल्ली में अध्ययनरत है ।

तेरह साल की उम्र में सिल्वर बटन जीत कर रचा इतिहास

प्रखर गाजीपुर। कौन कहता है कि आसमान में सुराख हो नहीं सकता जरा तबीयत से एक पत्थर तो उछालो यारों,जिंदा दिल इंसान यदि चाह ले और उसके अंदर जुनून ,जोश और कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो वह क्या नहीं कर सकता। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है गाजीपुर के ददरी घाट के रहने वाले 13 वर्षीय अस्तित्व पुजारी ने। जिन्होंने गाजीपुर के इतिहास में सबसे कम उम्र में यूट्यूब का सिल्वर बटन जीत कर एक इतिहास रच दिया है। कैलिफोर्निया अमेरिका से यूट्यूब द्वारा अस्तित्व के यूट्यूब पर लगातार अपलोड किए जा रहे कार्यक्रमों से प्रभावित होकर उन्हें सिल्वर बटन प्रदान किया है। जिससे अस्तित्व एवम उनके परिवार का ही नही पूरे जनपद का मान बढ़ा है। ज्ञातव्य हो कि अस्तित्व पुजारी राय गाजीपुर की खेल धरोहर अंतर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टर एवं रेफरी अमित राय के बड़े सुपुत्र तथा स्वर्गीय पुजारी राय के पोते है। अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए उन्होंने आधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजी के खेल युग में यूट्यूब पर अपनी उपलब्धि से अपने पिता के नाम को और आगे बढ़ाने का काम किया है। अस्तित्व के जुनून को देखते हुए वह

दिन दूर नहीं है जब हम उन्हें गोल्डन बटन प्राप्त करते हुए देखेंगे । अस्तित्व की इस उपलब्धि पर जिला ओलंपिक संघ, जिला पावर लिफ्टिंग संघ, जिला भारोत्तोलन संघ, जिला बॉडीबिल्डिंग संघ, जिला क्रिकेट संघ, एवं अन्य खेल संगठनों के साथ ही समाज के तमाम प्रबुद्ध जनों ने अस्तित्व के इस कामयाबी पर खुशी का इजहार करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

यूपी में फर्जी आधार कार्ड बनाने के मामले की एटीएस ने शुरू की जांच, गोंडा में कई संदिग्ध रडार पर

गोंडा। फर्जी आधार कार्ड बनाने के मामले की एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ता) ने जांच शुरू कर दी है। रविवार को एटीएस की टीम गोंडा पहुंची। टीम राजफाश करने वाले अधिकारियों से जानकारी कर रही है। फर्जी आधार कार्ड बनाने वालों ने अब तक किन-किन लोगों को फर्जी आधार कार्ड मुहैया कराया है, इसके बारे में पड़ताल की जा रही है। हालांकि, पुलिस अधिकारी स्पष्ट तौर पर कुछ भी बताने से इन्कार कर रहे हैं।

क्या था मामलाः पुलिस को फर्जी आधार कार्ड बनाए जाने की सूचना मिली थी। इस पर एसओजी, सर्विलांस टीम के साथ सभी थानाध्यक्षों को लगाया गया था। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात, स्वाट व सर्विलांस टीम को फर्जी आधार कार्ड बनाने का सुराग मिला। 22 अक्टूबर को नवाबगंज के दुल्लापुर निवासी श्याम निषाद फर्जी आधार कार्ड देने के लिए देहात कोतवाली के दजीर्कुआं पुलिया के पास आया था। वहीं पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया।

ये हुआ था राजफाशः एसपी ने दावा किया था कि श्याम निषाद अपने साथी सूरज मौर्य निवासी कनकपुर सुदियागंज नवाबगंज के साथ मिलकर फर्जी आधार कार्ड बनाने का कार्य करता है। वह साफ्टवेयर के माध्यम से आधार के पुराने डाटा को मिटाकर दूसरे लोगों का फर्जी आधार कार्ड बनाते हैं। यह नवाबगंज के नंदिनीनगर महाविद्यालय के पास जनसेवा केंद्र चलाते हैं। वहीं से यह सब कूटरचना कर लोगों का फर्जी आधार कार्ड बनाकर उन तक पहुंचाते थे। वह लोगों से 500 से एक हजार रुपये तक वसूली करते थे। इनके पास से 22 फर्जी आधार कार्ड, दो लैपटाप व प्रिंटर बरामद किए गए थे।

कोतवाली देहात में हो रही छानबीनः एटीएस की टीम रविवार की दोपहर जिले में पहुंची। उसने पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद वह सीधे कोतवाली देहात पहुंची। राजफाश करने वाले पुलिस अधिकारी से पूरे मामले की जानकारी की। एसपी संतोष कुमार मिश्र ने पुष्टि करते हुए बताया कि एटीएस की टीम आई है। वह पूरे मामले की जांच कर रही है। सीओ सिटी को जांच टीम के साथ लगाया गया है।

लखीमपुर में घर से पढ़ने गई तीन छात्राएं लापता, 24 घंटे बाद भी पुलिस का हाथ खाली; चार टीमें गठित

लखीमपुर। शनिवार से लापता एक ही स्कूल की तीन नाबालिग छात्राओं का 24 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस को इन छात्राओं की आखिरी लोकेशन पलिया रोड पर मिली है। इस मामले में पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर चार टीमें गठित की हैं। जो पलिया और निघासन के अलावा संभावित जगहों पर भी छात्राओं की तलाश कर रही हैं। इसके अलावा तलाश के लिए तीनों छात्राओं की तस्वीरें भी जारी कर दी गई हैं। निघासन थाना क्षेत्र की तीनों छात्राएं एक ही स्कूल में कक्षा नौ की छात्रा हैं। सीसी कैमरे में छात्राओं के स्कूल में मौजूदगी की पुष्टि हुई है। इसके बाद तीनों छात्राएं इस स्कूल से निकलकर पलिया रोड पर पहुंची हैं। यहां सीसी कैमरे में उनकी फुटेज दिखाई दे रही है। छात्राओं के लापता होने की सूचना के बाद से ही पुलिस के होश उड़े हुए हैं। शनिवार देर शाम एसपी विजय ढुल निघासन पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से उनकी मौजूदगी व गुमशुदगी के बाबत जानकारी ली। एसपी रात से ही निघासन में ही कैंप कर रहे हैं, लेकिन अभी तक पुलिस टीमों को कोई सुराग नहीं मिला है।

संक्षिप्त खबरें

मिजार्मुराद क्षेत्र में हरे पेड़ों की कटाई जोरों पर

प्रखर वाराणसी मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के टोडरपुर ग्राम सभा में वन माफिया हरे पेड़ों की कटाई जोरों से कर रहे हैं तथा पुलिस प्रशासन भी इन माफियाओं पर कार्रवाई करने के बजाए मौन धारण की हुई है आपको बता दें की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के ग्राम सभा टोडरपुर मैं बड़े विशाल दो पेड़ों को काटकर वन माफिया कच्ची लकड़ी को उठा ले गए और पेड़ों को भी काट रहे हैं जिसमें पुलिस प्रशासन मौन धारण किया हुआ है हरे भरे पेड़ों के कटने से मानव के स्वास्थ्य पर दिन प्रतिदिन बुरा प्रभाव पढ़ रहा है तथा लोग विभिन्न प्रकार के रोगों से ग्रसित होते जा रहे है आखिर कब जागेगा वन विभाग या पुलिस प्रशासन कब लगेगा वन माफियाओं पर अंकुश ।

पिंडरा के अध्यापक को मिला इंटरनेशनल यूनिटी अवार्ड

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अध्यापको को सम्मानित करने वाली संस्था शांति फाउंडेशन द्वारा जनसेवा समाज निर्माण में योगदान देने वाले अध्यापको को इस बार भी सरदार पटेल की जयंती पर ऑनलाइन सम्मानित किया गया।जिसमें पिंडरा के भी एक अध्यापक को सम्मान मिला। देश को एकता के सूत्र में बांध कर भारत की अखंडता को सुनिश्चित करने एवं तमाम राजाओं और रियासतों का विलय करके देश को एक सूत्र में पिरोने वाले प्रथम गृहमंत्री "लौह पुरुष" सरदार वल्लभ भाई पटेल की146 वीं जयंती पर देश भर से कुल 146 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसमें कम्पोजिट विद्यालय रमईपट्टी,पिण्डरा के सहायक अध्यापक कमलेश कुमार पाण्डेय को उनके समाज निर्माण व जन सहयोग के लिए शांति फाउंडेशन गोंडा, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रोत्साहित करते हुए इंटरनेशनल यूनिटी अवार्ड 2021प्रदान किया गया। कई देशों के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर युक्त प्रमाणपत्र कमलेश पांडेय को ऑनलाइन मिला। कमलेश पांडेय को पुरस्कार मिलने पर बीईओ पिंडरा मंगरु राम ने शुभकामनाएं दी।

सचिवालय में होने वाली बैठक में किसान नेताओं के प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे प्रह्लाद सिंह किसान

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। भाकियू के मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सिंह ने कृषि उत्पादन आयुक्त समेत उच्च अधिकारियों से लखनऊ सचिवालय मीटिंग हाल में किसानों की समस्याओं को लेकर हो रही बैठक में शामिल होकर विंध्याचल मंडल तीनों जनपदों की समस्याओं को जोरदार तरीके से उठाया उत्तरप्रदेश सचिवालय लखनऊ मीटिंग हाल में कृषि उत्पादन आयुक्त अपर मुख्य सचिव गृह, अपर मुख्य सचिव कृषि, जिलाधिकारी लखनऊ, खाद्य आयुक्त, अपर गन्ना आयुक्त, सचिव बिजली, सचिव राजस्व , निदेशकमंडी, सचिव दैविक आपदा , आदि के सम्मुख श्री राजेश सिंह चौहान जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री राजवीर सिंह जादौन जी प्रदेश अध्यक्ष, श्री धर्मेन्द्र मलिक जी राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी, श्री घनश्याम वर्मा जी राष्ट्रीय सचिव, श्री हरनाम वर्मा जी प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री रामकिशोर पटेल जी प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री अनूप चौधरी जी प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री दीवानचंद पटेल जी प्रदेश सचिव, श्री दिगम्बर सिंह जी युवा प्रदेश अध्यक्ष यूपी, प्रहलाद सिंह ह्लकिसान ह्ल मंडल अध्यक्ष विंध्याचल मंडल मिजार्पुर, मिथिलेश यादव मण्डल अध्यक्ष आजमगढ़, सालिकराम मण्डल अध्यक्ष इलाहाबाद, जितेंद्र तिवारी मण्डल अध्यक्ष वाराणसी, सतिशचन्द ओझा मण्डल अध्यक्ष गोरखपुर, श्री मंजीत सिंह जी ?आदि लोगो ने धान खरीद,गन्ना, पराली ,अन्ना पशु, बिजली, उर्वरक समस्या को बिस्तार से रखा गया जिस पर अधिकारियों के द्वारा जल्द से जल्द समस्याओं का निराकरण कराने पर सहमति दिया गया।

सरदार बल्लभ भाई पटेल सर्वांगीण विकास समिति ने मनाया सरदार पटेल की 146 वी जयंती

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। "सरदार वल्लभ भाई पटेल सर्वांगीण विकास समिति" डोहरी के सौजन्य से भारत रत्न,लौह पुरुष सरदार वल्लभ पटेल जी की 146 वीं जयंती मनाई गई। पटेल जयंती समारोह की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य बब्बन सिंह व संचालन गोबिंद सिंह द्वारा किया गया। पटेल जयंती समारोह का संयोजन शरद कृष्ण सिंह द्वारा किया गया।जयंती समारोह के संयोजक शरद कृष्ण सिंह ने कहा कि इस समय देश को पटेल जी द्वारा दिखाए गए आदर्शो पर चलने की जरूरत है।समारोह के विशिष्ट अतिथि विनोद सिंह ने कहा कि पटेल के सपनों को साकार करने के लिए देश के युवाओं को नशाखोरी से दूर रहने की जरूरत है।अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह ने कहा कि सरकार को सरदार पटेल जी के सपनों का भारत बनाने के लिये देश में आंदोलन कर रहे किसानों की बातों को मान कर तुरंत कृषि बिल कानून को वापस लेकर एम एस पी गारंटी कानून लागू करने की जरूरत है। कार्यक्रम के समापन के बाद अन्न दाता मंच के सदस्यों द्वारा मंदिर परिसर का सफाई भी किया गया। इसके अतिरिक्त जयंती समारोह में मुख्य रूप से पुर्व प्रधान सतेंद्र सिंह,अमरनाथ पटेल,अखिलेश सिंह,पवनसिंह,विकास सिंह, रोहित पटेल,पीयूष सिंह,राजन सिंह,आशीष सिंह,सुधांशु सिंह, हिमांशु सिंह,भोला सिंह, चितरंजन सिंह,अनुराग सिंह आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

लौह पुरुष सरदार पटेल की 146 वां जयंती मनाई गई

प्रखर जमुई मिजार्पुर। नारायणपुर चौकी अंतर्गत हौसला भवन शेरपुर नारायणपुर के राष्ट्रीय कार्यालय पर राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन अखिल भारतीय कुर्मी कुल वंशज जागरूकता मंच के द्वारा राष्ट्रीय कार्यालय हौसला भवन शेरपुर, नारायणपुर में खंड खंड भारत को अखंड भारत बनाने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 146 वीं जयंती मनाई गई, इस अवसर पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा देश के राष्ट्रपति से मांग की गई कि सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय पर्व घोषित किया जाए तथा देश में उस दिन राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाने का आदेश पारित किया जाय, जयंती समारोह में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अलख नारायण सिंह पटेल जी ने लौह पुरुष सरदार पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्रीय ध्वज फहराया, समारोह संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक चौधरी धीरेंद्र सिंह पटेल उर्फ धीरूभाई पटेल (दादा), राष्ट्रीय प्रधान सचिव एडवोकेट श्री राम चरण सिंह पटेल, राष्ट्रीय सचिव मास्टर हौसला प्रसाद सिंह पटेल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लालबर्ती सिंह पटेल, राष्ट्रीय सलाहकार राजकुमार पटेल पत्रकार, एडवोकेट हसन खां, एडवोकेट इलाका सिंह चंदेल, अनिल विश्वकर्मा, लेखपाल शिवपूजन सिंह पटेल ,राष्ट्रीय सचिव रमेश सिंह पटेल ,पवन कुमार पटेल, अजीत पटेल ,सुजीत पटेल राष्ट्रीय संरक्षक सारनाथ सिंह पटेल इत्यादि लोगों ने लौह पुरुष सरदार पटेल के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तथा समारोह में काफी लोग उपस्थित भी रहे।

समाजवादी पार्टी द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर नूरपुर मतरी सुजानगंज में विशाल जनसभा के रूप में आयोजित कर मनाया गया मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव राजनारायण बिंद व कार्यक्रम प्रभारी पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल मौजूद रहे मुख्य अतिथि राजनारायण बिन्द ने उनके जीवनी पर डालते हुए कहा सरदार बल्लभ भाई पटेल भारत के आजादी के प्रथम गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री बने बारदोली सत्याग्रह का नेतृत्व कर रहे पटेल को सत्याग्रह की सफलता पर यहां की महिलाओं ने सरदार की उपाधि प्रदान की आजादी के बाद विभिन्न हिस्सों में बिखरे भारत के भू-राजनीतिक एकीकरण में केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए पटेल को भारत का विश्व मार्क और लौह पुरुष भी कहा जाता है पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल ने कहा पटेल जी महात्मा गांधी के प्रति सरदार पटेल की अटूट श्रद्धा थी गांधी जी की हत्या में कुछ क्षण पहले निजी रूप से उनसे बात करने वाले पटेल अंतिम व्यक्ति थें उन्होंने सुरक्षा में चूक को गृह मंत्री होने के नाते अपनी गलती माना उनकी हत्या के सदमे से उबर नहीं पाए गांधी जी के मृत्यु के 2 महीने के भीतर ही पटेल जी को दिल का दौरा पड़ गया था कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव ने कहा सरदार बल्लभ भाई पटेल एक भारतीय बैरिस्टर और राजनेता थें वह भारतीय गणराज्य के संस्थापक जनको में एक थें वे एक सामाजिक कार्यकर्ता थे जिन्होंने देश की आजादी के लिए कड़ा संघर्ष किया और देश को एकता के सूत्र में बांधने में उन्होंने काफी योगदान दिया था कार्यक्रम में मुख्य रूप से ननकू यादव जयहिंद यादव, प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी,राजेश विश्कर्मा, राजेश झल्लूराम,पंकज पटेल विशाल यादव, श्याम नरायन बिन्द, राम अकबाल यादव, डां दिलीप गौतम, पंचम पटेल, विनोद मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार राकेश सिंह का हार्ट अटैक से निधन

प्रखर बरसठी जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के चतुर्भुजपुर (बनपुरवा) गांव निवासी व अपनी दमदार आवाज से पत्रकारिता जगत में करीब दो दशकों से कार्यरत राकेश सिंह का रविवार को सुबह हार्ट अटैक से दुखद निधन हो गया। रविवार को सुबह ही श्री सिंह के हार्ट मे कुछ तकलीफ हुई जिसके बाद उनके पुत्र ने भदोही के एक निजी नर्सिंग होम में इलाज कराने के लिए भर्ती कराया परन्तु इलाज के दौरान उनका दुखद निधन हो गया। श्री सिंह 49 वर्ष के थे। वे लंबे समय से जनसंदेश टाइम्स अखबार में लिखते रहे। बाद में उन्होंने विभिन्न प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया में अपना सहयोग देते रहे। उनके निधन से जहा एक ओर पत्रकारिता जगत में शोक व्याप्त है वहीं दूसरी ओर उनके

जानने वाले लोग भी काफी आहत है। घटना की सूचना पर क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक व क्षेत्रीय लोगो ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर उनके निवास स्थान परियत गाव लाया गया। जहा पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों हजारो लोगो का ताता लगा रहा।

सरकारी व गौर सरकारी संस्थाओं ने सरदार पटेल को किया याद

प्रखर पिंडरा वाराणसी। देश को एकता के सूत्र में बांध कर भारत की अखंडता को सुनिश्चित करने एवं तमाम राजाओं और रियासतों का विलय करके देश को एक सूत्र में पिरोने वाले देश के प्रथम गृहमंत्री "लौह पुरुष" सरदार वल्लभ भाई पटेल की146 वीं जयंती तहसील क्षेत्र पिंडरा के सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा धूमधाम से मनाया गया। क्षेत्र के खालिसपुर स्थित गीता आईटीआई परिसर में भाजपा श्रम प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सरोज कुमार मुन्ना चौबे द्वारा उनके तैल चित्र पर माल्यर्पण कर उनको नमन किया। इसके अलावा गरिमामय फॉउंडेशन, देवमूर्ति शर्मा इंटर कालेज दबेथुवा, संत नारायण

बाबा इंटर कालेज खालिसपुर, परिषदीय विद्यालय जमापुर, पिंडरा, पिंडराई, अजईपुर, मंगारी, बाबतपुर, फूलपुर, सिंधोरा समेत अनेक प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक स्कूलों द्वारा सरदार पटेल की जयंती रविवार को मनाई गई। इस दौरान एकता दिवस के रुप मे देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए शिक्षकों व अध्यापको द्वारा संकल्प भी लिया गया। जगह जगह प्रभात फेरी भी निकाली गई।

पीड़ित मुसहरों से मिला समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल घटना की ली जानकारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। करसड़ा मुसहर बस्ती में घर गिराए जाने की सूचना पर समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पूर्व राज्यमंत्री मनोज राय धुपचण्डी , जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ , युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह के नेतृत्व में पीड़ित मुसहरों से मिला और पूरे घटनाक्रम की जानकारी लिया व प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया । मौक पर मौजूद लोगों ने बताया विगत 30 वर्षो से हम लोगों को यह जमीन आवंटित किया गया है । आज तक नाम खतौनी पर चला आ रहा है । प्रशासन ने 13 परिवारों को अन्यत्र भेजने के लिए प्रयास किया गया जब कामयाब न हुए तो बिना बताए बिन नोटिस रात में घरों को तोड़ दिया गया । सामान उठा लिया गया । बच्चों के लिए खुद से बने स्कूल को तहस नहस कर दिया

गया है । पूर्व मंत्री मनोज राय धुपचण्डी ने बताया ऐसी कार्यवाही तो कोई क्रूर शासक ही कर सकता है। ठंड के मौसम में वृद्ध , बच्चे कैसे अपना जीवन बचाएंगे यह सोचे बिना ऐसी तानाशाही पूर्ण कार्यवाही निंदनीय है । जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ और युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह ने कहा अगर दोषी अधिकारियों और कार्यवाही नही हुई तो इन बनबासी समुदाय के लिए समाजवादी पार्टी घटना स्थल पर ही डेरा तम्बू लगाकर आंदोलन करेगी । लोकतंत्र में ऐसी तानाशाही बर्दाश्त नही की जा सकती है। जिलामहासचिव आनन्द मौर्या और युवा नेता मुलायम यादव ने बनबासी ,मुसहर परिवारों के भोजन का इंतजाम करवाया । प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से मनोज राय धुपचण्डी , सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ , वरुण सिंह , आनन्द मौर्या , सतीश यादव छोटू , मुलायम यादव , आलोक गुप्ता रहे ।

विद्यापीठ में छात्र संघ चुनाव कराने की मांग करते छात्रनेता

प्रखर दानगंज वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव करवाने के संदर्भ में कुलानुशासक के माध्यम से कुलपति को लिखित पत्र दिया गया।और काउंसलिंग के तुरंत बाद किसी भी परीक्षा भी कराना है।शशि प्रकाश चंदन ने कहा सभी छात्र नेताओं की मांग अगर नहीं पूरी हुई तो सभी छात्र नेता एकजुट होकर धरने व उग्र आंदोलन के बाध्य होंगे। पत्र देते हुए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के भावी अध्यक्ष

हालत में छात्रसंघ चुनाव कराया जाए। हम सभी छात्र नेताओं को कुलानुशासक ने कुलपति से आश्वासन लेकर मंजूरी दिलाया।और बोले कि काउंसलिंग के तुरंत बाद चुनाव अधिकारी घोषित कर देंगे।और दिसंबर के पहले सप्ताह में चुनाव करा दिया जाएगा।क्योंकि दिसंबर माह में सेमेस्टर प्रत्याशी शशि प्रकाश चंदन,अभिषेक सोनकर,रविंद्र पटेल,अभिषेक यादव, गणेश राय,नीरज पांडेय,अंकित जायसवाल,शिवजनक गुप्ता संजय यादव शुभम पाल प्रभु पटेल,प्रियेषु यादव,कलामुद्दीन,विनोद यादव,मानस सिंह,अंश सिसोदिया,अर्थ पटेल,अर्जुन सोनकर व अन्य साथी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में पुलिसकर्मियों ने मनाया सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना परिसर में थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में सभी पुलिसकर्मियों ने लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन/ जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में स्थानीय थाना परिसर कार्यालय के समीप राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्रीय एकता एवं देश की अखंडता का शपथ लिया पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए हमेशा बल दिया हम पुलिसकर्मी उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का शपथ लेते हैं इस अवसर पर थाने पर तैनात समस्त उपनिरीक्षक हेड कांस्टेबल समेत पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

दीपावाली पर्व पर पूरा दिन नहीं दो घंटे आतिशबाजी की अनुमति : सीओ सुनील दत्त दूबे

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज। नवागत फरेंदा एसडीएम दिनेश मिश्रा एवं फरेंदा क्षेत्राधिकारी सुनील दत्त दुबे ने संयुक्त रूप से दीपावली पर्व पर आतिशबाजी व पटाखा व भद्रकाली संगठन के साथ आज बृजमनगंज थाने पर विशेष बैठक का आयोजन किया गया। सीओ फरेंदा ने बताया की सभी बाजारों में पटाखा बेचने एवं आतिशबाजी बेचने के स्थान प्रशासन द्वारा निर्धारित किए गए कोई भी व्यक्ति अपनी दुकान पर अथवा सड़क के किनारे आतिशबाजी नहीं बेचेगा किसी भी दशा में आतिशबाजी का भंडारण नहीं करेगा आतिशबाजी विक्रय केंद्रों पर अग्निशमन यंत्रों को रखने की व्यवस्था दुकानदार द्वारा स्वयं की जाएगी आदेश का उल्लंघन करने पर विस्फोटक अधिनियम की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आतिशबाजी अवैध मानते हुए जब्त कर ली जाएगी। आतिशबाजी के लिखने के लिए अस्थाई

लाइसेंस 2 दिन के लिए दिए जाएंगे माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन मे दीपावली के दिन साय 2 घंटे सायं 7:00 बजे से रात 9:00 बजे तक आतिशबाजी जलाने की छूट दी जाएगी।बिना अनुमति के कोई भी व्यक्ति अगर आतिशबाजी अथवा कोई भी विस्फोटक पदार्थ बेचता है तो उसके खिलाफ मुकदमा काम करके जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। जुआ अनुवाद रूप से प्रतिबंधित है अगर कोई भी व्यक्ति संगठित तरीके से जुआ खिलबाता है तो उसके खिलाफ जुआ अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत करते हुए गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की जाएगी।इस मौके पर थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह, नगर के प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधि दिलीप चौधरी, गुलाब चौरसिया, अमित पासवान, रवि वर्मा,सूरज सिंह जायसवाल बबलू सिंह ,योगेंद्र यादव, आशीष जायसवाल,मदन गोपाल यादव, लेखपाल अशोक मिश्रा,आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

खेसारी लाल यादव से आशिकी कर बैठीं श्रुति राव, छठ पूजा पर मचाएंगी धमाल

प्रखर दानगंज वाराणसी। भोजपुरी के ट्रेंडिंग स्टार खेसारी लाल यादव के साथ चार्मिंग गर्ल श्रुति राव सुपर हिट फिल्म लिट्टी चोखा से भोजपुरी इंडस्ट्री में धमाकेदार एंट्री करने के बाद अब खेसारी लाल यादव से आशिकी कर बैठीं हैं खूबसूरत अदाकारा श्रुति राव। दरअसल श्रुति राव खेसारी लाल के साथ फिल्म आशिकी में नजर आएंगी। यह फिल्म छठ पूजा पर रिलीज होने जा रही है जिसका ट्रेलर इन दिनों यूटयूब पर धमाल मचाए हुए है। ट्रेलर में श्रुति राव खेसारी लाल यादव के प्यार की दीवानी नजर आती हैं मगर कहानी में मोड़ ऐसा आता है कि आम्रपाली दुबे उनका प्यार उड़ा ले जाती हैं।

आपको बता दें कि खेसारी लाल यादव और यूट्यूब क्वीन अम्रपाली दुबे की जोड़ी इस फिल्म में पहली बार पर्दे पर रोमांस करते हुए दिखाई देंगी। ऐसे में इन्हें साथ देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। इस फिल्म में जहां प्यार-मोहब्बत देखने के लिए मिल रहा है साथ ही इसमें समाज के कड़वे सच का भी आइना दिखाया

गया है। उनके बीच की केमिस्ट्री को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। श्रुति राव बेहद खूबसूरत दिख रही हैं और उनकी जोड़ी खेसारी लाल के साथ देखने लायक है।भोजपुरी फिल्म ह्यआशिकीह्ल के ट्रेलर में दिखाया गया है कि खेसारी लाल एक ब्राह्मण परिवार से सम्बन्ध रखते हैं और उनकी प्रेमिका श्रुति राव हैं। आम्रपाली दूबे एक निचली जाति से संबंध रखती हैं। फिल्म का टर्निंग प्वॉइंट यह है कि हीरो जाति-पांति, छुआ-छूत से ऊपर उठकर समाज में सबको एक समान का दर्जा दिलाने की अगुआई करता है। फिल्म में जबरदस्त एक्शन सीन, रोमांस और एक्टर का बॉलीवुड वाला स्टाइल देखने के लिए मिलता है। ट्रेलर काफी बेहतरीन है। ट्रेलर ने दर्शकों की एक्साइटमेंट को और भी बढ़ा दिया है। लोग छठ पूजा पर फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।आपको बता दें कि सुलझे हुए फिल्म निमार्ता प्रदीप के शर्मा द्वारा निर्मित की गई फिल्म आशिकी के निर्देशक पराग पाटिल हैं, जो कि कई हिट्स दे चुके हैं। इस फिल्म की सह निर्मात्री अनीता शर्मा व सह निमार्ता पदम सिंह हैं। फिल्म का निर्माण बाबा मोशन पिक्चर प्रा.लि. के बैनर तले हुआ है, जिन्होंने ह्यडमरूह्ल, राज तिलक, ह्यलिट्टी चोखाह्ल जैसी सफल फिल्में दी है और फिल्म ह्यसबका बाप अंगूठा छापह्ल निमार्णाधीन है और अगली फिल्म ह्यविधाताह्ल जल्द ही फ्लोर पर जाएगी।गौरतलब है कि एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्म का निर्माण बाबा मोशन पिक्चर प्रा.लि. द्वारा किया जा रहा है। इसी कड़ी में खेसारी लाल यादव, आम्रपाली दुबे, श्रुति राव और कुणाल सिंह की फिल्म ह्यआशिकीह्ल का निर्माण किया गया है। फिल्म के निमार्ता प्रदीप के शर्मा हैं, निर्देशक पराग पाटिल हैं। लेखक राकेश त्रिपाठी हैं। कथा खेसारी लाल यादव ने लिखी है, मार्केटिंग हेड विजय यादव हैं। संगीत ओम झा व आर्या शर्मा का है, गीत स्वर्गीय श्याम देहाती व विजय चौहान ने लिखा है।

त्याहारों पर ऑनलाइन खरीदारी ना करें गरीब दुकानदारों से सामान खरीदे : आर्यन शर्मा

प्रखर कुशीनगर। परिवार के साथ बाहर निकलें, बाजारों में रौनक लौटाये, आपके शहरों के बाजारों में उमंग के दीपक जलाये जलायें। ऑनलाइन खरीदारी ना करें यदि आप चाहते हैं। त्योहारों पर पहले जैसी रौनक तो एक पहल आपके द्वारा भी सहयोगी बने अपने शहरों के लिए देश के लिए त्याहारों पर गरीब दुकानदारों से सामान खरीदने की देशवासियों से अपील समाज सेवी पत्रकार आर्यन शर्मा ने देशवासियों से अपील की है कि आप त्यौहार में प्रयोग होने वाली समान गरीब, छोटे ,ठेले, इत्यादि जैसे दुकानदारों से ही समान खरीदें इससे स्वदेशी सामानों का बढ़ावा मिलेगा और साथ मे ही गरीब परिवार की घर खुशियों के साथ साथ आर्थिक मजबूती भी मिलेगी। समाज सेवी पत्रकार आर्यन शर्मा ने कहा कि हम सब कई हजार करोडो रुपये ऑनलाइन शॉपिंग करके दूसरे को लाभ पहुंचा रहे हैं जिससे हमारे गरीब मजलूम भाइयो को आर्थिक नुकसान पहुंच रहा है। इस कोरोना काल मे सबसे ज्यादा हमारे गरीब भाई परेशान थे। हम सबको मिलके इनका साथ देना चाहिए। धनतेरस , दीपावली , छठ जैसे महापर्व पर हमें खरीदारी स्वदेशी छोटे छोटे ठेले इत्यादि जैसे दुकान से ही खरीदारी करने की पहल करनी चाहिए।ऐसे

में समाज सेवी पत्रकार आर्यन शर्मा आमजनमानस से विनती , प्रार्थना अनुरोध है कि गांव मुहल्ले जिले के गरीब व्यवसायियों से ही समान खरीदे जो सड़क के किनते ठेले ,खोमचे में स्वंनिर्मित सामान कलाकृति बेचते हैं।इससे स्वदेशी सामानों को बढावा मिलेगा और गरीब परिवारों में भी खुशियों की लहर दौड़ेगी।

संक्षिप्त खबरें

कराटे बेल्ट टेस्ट परीक्षा में दीपचंद पटेल प्रथम

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सुरक्षा कराटे अकादमी द्वारा आयोजित कराटे कलर बेल्ट प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर मीरापुर बसही में किया गया था जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दीपचंद पटेल प्रथम स्थान और आयुष सिंह ग्रीन बेल्ट ,देवेंद्र सिंह ऑरेंज बेल्ट, शनवी श्रीवास्तव ऑरेंज बेल्ट, रितिका पटेल ऑरेंज बेल्ट, ममता पटेल ऑरेंज बेल्ट ,सीमा पटेल ऑरेंज बेल्ट, खुशी पांडेय ऑरेंज बेल्ट ,अन्वी सिंह येलो बेल्ट प्राप्त किया। प्रशिक्षक ब्लैक बेल्ट नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट मोनिका पटेल ,निकिता चौहान रही। मुख्य प्रशिक्षक ब्लैक बेल्ट 3th डॉन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी किशन सेठ ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

हरहुआ के कोइराजपुर में भीषण सड़क हादसे में घायल लोगो को देखने पहुचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं महानगर अध्यक्ष

प्रखर पुर्वांचल वाराणसी। शुक्रवार की सुबह हरहुआ कोइराजपुर में रिंग रोड क्रासिंग पर ट्रक एवं बस के भीषण टक्कर में घायल लोगों का जिलाध्यक्ष कांग्रेस जिला कांग्रेस कमेटी राजेश्वर सिंह पटेल और महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने हरहुआ स्थित प्रज्ञा हॉस्पिटल पहुंच कर घायलों का हालचाल लिया और उनको सांत्वना दी।कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं महानगर अध्यक्ष ने कहा कि ये बहुत दुखद घटना है और घायल यात्रियों को बेहतर उपचार के लिए चिकित्सकों को कहा गया है।

शारदा मर्डर केस:फर्जी पीएम रिपोर्ट बनाने वाले डाक्टर पर अब तक नहीं हुई कार्यवाही

प्रखर पूर्वांचल बृजमनगंज न्यूज। जनपद महराजगंज क्षेत्र के बृजमनगंज ब्लाक की दिलदहला देने वाली शर्मनाक घटना क्षेत्र के लोग शायद ही भूलें इस घटना मे पीएम रिपोर्ट बनाने वाले डाक्टर ने फर्जी रिपोर्ट तैयार कर पूरे प्रशासन को गुमराह करके रख दिया। बिपक्षी राजनीतिक दल ने गैंगरेप कर हत्या की घटना में मासूम को इंसाफ दिलाने के लिए आवाज उठाया तो उच्च अधिकारियों ने गंभीरता के साथ सर्विलांस टीम द्वारा जांच करने पर इस घटना मे संलिप्त अपराधी को पुलिस ने दबोच कर सलाखों के पिछे भेज दिया।परन्तु आज भी लोगों के मन में यह बात है कि जितना दोषी अपराधी थे।गैंगरेप व हत्या जैसे मामले में फर्जी रिपोर्ट बनाने वाला डाक्टर भी उतना ही दोषी है।सपा नेता अमित चौबे ने मिडिया के समक्ष कहा कि ऐसे डाक्टर पर प्रशासनिक कार्यवाही हो।जब रक्षक ही भक्षक जैसा कार्य करेगा तो भेडिये बेखौफ घूमते रहेंगे।और ऐसी न जाने कितनी मासूम शारदा बलि चढ़ती रहेंगी।जहां डाक्टर को भगवान का दूसरा दर्जा दिया जाता हैं ऐसे डाक्टर ने उन दरिंदों को बचाने की कोशिश क्यों की?आखिर किसके सह पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने वाले डाक्टर द्वारा फर्जी रिपोर्ट तैयार किया गया।यह अभी भी एक प्रश्नचिन्ह है?

धूमधाम से मनाई गयी सरदार पटेल जी की जयंती

प्रखर कुशीनगर। जनपद कुशीनगर के ग्रामसभा कठिनाइयाँ में लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 146वी जयंती अपना दल (एस) ने बड़े धूमधाम से मनाई जिसके मुख्य अतिथि वेटरनस एसोशियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, किसान मोर्चा व भाकियू (अ) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह रहे। अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सिंह ने बताया की सरदार पटेल जी का जन्म 1875 में गुजरात के मडियाड में हुआ था ये पेशे से एक वकील थे। भारत को आजादी मिलने के बाद पटेल जी ने पूरे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने में अपनी अहम और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई यही

कारण है की सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की जयंती को देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय एकता दिवस 2014 में मनाया गया था। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सरदार पटेल जी ने अपनी अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें खास तौर पर खेडा सत्याग्रह के लिये जाना जाता है। आजादी के बाद सरदार पटेल जी पहला उप प्रधानमन्त्री और गृहमन्त्री भी बने थे। सरदार पटेल जी को 1991 में भारत के सर्वोच्च पुरस्कार ह्लभारत रत्नह्व से नवाजा गया था। सरदार पटेल जी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के सबसे नजदीकी ब्यक्तियों में गिने जाते थे। इनका निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुंबई में हुआ। इस मौके पर ब्यासमुनी ग्राम प्रधान, सिंगासन सिंह, राजेश सिंह, हरिनारायण सिंह ,अजय प्रताप सिंह, अनिल सिंह पूर्व प्रधान , अयोध्या सिंह, ध्रुव नारायण यादव , अनिल गोविन्द राव, युगुल किशोर सिंह, अभिमन्यु गोंड, शिवम कुमार , हृदेश यादव ,श्यामलाल यादव , हरिवंश कुशवाहा , वीरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं